RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 काजोल फिर नजर आएंगी..

वर्ष : 27 अंक : 235 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बृहस्पतिवार, 14 अगस्त, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

'गौ माता का श्राप लगा है सपा को, 2027 में भी सत्ता नहीं मिलेगी'

यूपी विजन डाक्यूमेंट-2047 पर हुई 24 घंटे चर्चा, सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी पर जमकर बोला हमला

उत्तर प्रदेश बीमारू नहीं, आत्मनिर्भर राज्य बन रहा : योगी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र का आज आखिरी दिन है।

विधानसभा में सरकार के 'विजन डॉक्यूमेंट' पर 24 घंटे तक चर्चा हुई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सदन में चर्चा के दौरान उठाये गये मुद्दों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि बीते 24 घंटे में 187 वक्ताओं ने मुद्दे पर अपने विचार रखे हैं, मैं सभी पक्ष और विपक्ष के नेताओं को धन्यवाद देता हूं।

सदन में बोलते हुए सीएम योगी ने सपा को निशाने पर लिया। वहीं, अखिलेश यादव के PDA पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग कुएं के मेंढक की तरह हैं, उन्हें इसके आगे कुछ नहीं दिखता। सिर्फ अपना परिवार नजर आता है। दुनिया आगे बढ़ रही है, लेकिन वो परिवार में ही सिमटे हैं। उन्होंने पीडीए को परिवार डेवलपमेंट अथारिटी कहा। सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी को गौ माता का श्राप लगा है और 2027 में भी सत्ता में आने का सपना समाजवादी पार्टी न देखे।

विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में प्रदेश का विकास तेजी से हो रहा है। जबकि, पूर्व की सरकार में अराजकता चरम पर थी। सीएम योगी ने नेता प्रतिपक्ष और सपा नेता माता प्रसाद पांडेय पर तंज कसते हुए कहा कि वो काफी बुजुर्ग हैं, जब अपने विवेक से बोलते हैं तो अच्छा बोलते हैं. सीएम ने एक शेर के माध्यम से उन पर निशाना साधा।

'बड़ा हसीन है उनकी जबान का जादू,
लगा के आग बहारों की बात करते हैं।
जिन्होंने रात में बेखौफ बस्तियां लूटीं,
वही नसीब के मारों की बात करते हैं।'

यूपी विधानसभा में बीते 24 घंटे से हो रही विजन डॉक्यूमेंट पर हो रही चर्चा पर सीएम योगी ने जवाब दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषण के प्रारंभ में यूपी के विकास विजन डाक्युमेंट 2047 पर चर्चा के लिए सदन के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया। इस चर्चा ने 24 घंटे में साबित किया है कि भले ही हमारी विचारधारा अलग हो पर प्रदेश के विकास के लिए हम सभी साथ हैं। ये इस चर्चा से संदेश निकला है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में पहली इंवेस्टर समिट का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि देश की सबसे बड़ी आबादी वाला प्रदेश अब पूरे देश की उम्मीदों का केंद्र बन चुका है। उत्तर प्रदेश देश की ऊर्जा का केन्द्र बिन्दु है। कल स्वतंत्रता दिवस के 78 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने संकल्प लिया है कि 2047 तक भारत को एक विकसित राज्य बनना है। हम सभी जानते हैं कि ऐसा तभी हो सकता है जब सभी राज्य अपनी जिम्मेदारी निभाएं। बीते 24 घंटे में सदन में हुई चर्चा विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में एक योगदान है।

इस चर्चा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के लोगों ने रुचि ली और कई सदस्यों ने तो रात भर जग कर सदन का संचालन किया। देश में खुशहाली हो तरक्की हो **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

कुत्तों को सड़कों से हटाने पर फैसला सुरक्षित

एससी ने समाधान निकालने पर दिया जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के कई हिस्सों में

गुरुवार तड़के भारी बारिश देखने को मिली। दिल्ली के लाजपत नगर, आर.के.पुरम, लोधी रोड और दिल्ली-हरियाणा सीमा सहित कई क्षेत्रों में तेज बारिश हुई। दिल्ली के कालकाजी में बारिश के कारण पेड़ गिरने से दो बाइक सवार घायल हो गए। वहीं नोएडा-ग्रेटर नोएडा में भी सुबह से तेज बारिश के कारण कई जगह जलभराव हो गया।

आज दिल्ली के कई इलाकों में भारी बारिश हुई। मिंटो ब्रिज, विजय चौक, मोती बाग फ्लाईओवर, रफी मार्ग और निजामुद्दीन फ्लाईओवर सहित कई इलाकों में तेज बारिश हुई।भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पूर्वानुमान में बारिश के

साथ आंधी-तूफान की बात कही गई थी। अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग के मुताबिक राजधानी में इस बार स्वतंत्रता दिवस बारिश की फुहारों के बीच मनेगा। ऐसे में मौसम खुशनुमा रहेगा। मौसम विभाग ने दिनभर बादल छाने, बिजली चमकने और हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार जताए हैं।

मौसम विभाग का कहना है कि बृहस्पतिवार को अलग-अलग हिस्सों में एक हफ्ते तक हल्की बारिश का दौर जारी रह सकता है।

भारतीय किसान परिषद द्वारा आज ग्राम रसूलपुर डासना कार्यालय से एनटीपीसी टाउनशिप गेट तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण व महिलाएं शामिल हुई। सभी के हाथों में तिरंगा था। तिरंगा यात्रा को भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने संबोधित किया।

10 महीने बाद सड़क हादसे में मौत पर एफआईआर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र में 10 माह पूर्व सड़क हादसे में हुई एक व्यक्ति की मौत के मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। यह मुकदमा न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-1 में रहने वाली ज्योति गोयल ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके (56 वर्षीय) पति रवि गोयल 6 अक्टूबर 2024 को किसी कार्य से घर से स्कूटी लेकर बाहर गए थे। पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास तेज गति में आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। इस हादसे में रवि गोयल गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर स्थिति में उन्हें यथार्थ सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान 10 अक्टूबर 2024 को उनकी मौत हो गई। ज्योति गोयल का आरोप है कि इस हादसे की सूचना देने के बावजूद भी पुलिस ने कोई एफआईआर दर्ज नहीं की और ना ही इस मामले की जांच की। पुलिस ने केवल घटना को थाने के रोजनामचे में दर्ज कर लिया।

पुलिस ने संबंधित धाराओं में ना तो फिर दर्ज की और ना ही आरोपी चालक में वाहन को तलाशने की कोशिश की। ज्योति गोयल का आरोप है कि पुलिस अभियुक्त को बचाने का प्रयास कर रही है यह मामला हिट एंड रन का था । **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

प्राधिकरण के अधिकारियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के जल एवं सीवर तथा विद्युत यांत्रिकी विभाग ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आज सुबह तिरंगा यात्रा निकाली।

इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ), जल एवं विद्युत यांत्रिकी विभाग के महाप्रबंधक आरपी सिंह, ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह, विद्युत यांत्रिकी विभाग के खण्ड-1 के वरिष्ठ प्रबंधक गुरूविंदर सिंह, खण्ड-2 के वरिष्ठ प्रबंधक पी.के. सेन, खण्ड-3 के वरिष्ठ प्रबंधक अनिल मोर, ,खण्ड-4 के वरिष्ठ प्रबंधक सतेन्द्र कुमार समेत कई अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद थे।

नोएडा प्राधिकरण की साख पर फिर उठे सवाल

4 सप्ताह में नागरिक सलाहकार बोर्ड गठन के निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। अब फिर सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण की कार्यशीलता तथा साख पर सवाल खड़े किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिए हैं कि

मुख्य सतर्कता अधिकारी के तैनाती के आदेश

भ्रष्टाचार पर अंकुश रखने के लिए नोएडा प्राधिकरण के मुख्य सतर्कता अधिकारी तैनात किया जाए। वहीं 4 सप्ताह के अंदर नागरिक सलाहकार बोर्ड का गठन किया जाए।

नोएडा प्राधिकरण में किसानों को वितरित किए गए अधिक मुआवजे के मामले में एसआईटी की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद, सर्वोच्च न्यायालय ने आज एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया। जिसमें भूमि अधिग्रहण मुआवजे के अत्यधिक भुगतान और अधिकारियों व भू-स्वामियों के बीच कथित मिलीभगत के मुद्दे पर इंक्यवारी करने का निर्देश दिया गया।

कोर्ट ने आदेश में कहा कि नोएडा प्राधिकरण कोई भी परियोजना का निर्माण करने से पहले पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन और उसकी रिपोर्ट न्यायालय की ग्रीन बैंच के द्वारा पास की जाएगी। जिसके बाद ही निर्माण होगा। पहले गठित की गई एसआईटी के स्थान पर तीन आईपीएस अधिकारियों वाली एक नई एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया गया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह आदेश एक ऐसे मामले में पारित किया, जिसमें उसने नोएडा के एक विधि अधिकारी की अग्रिम ज़मानत याचिका पर सुनवाई करते हुए एसआईटी जांच का आदेश दिया था। यह आदेश कुछ भूस्वामियों को 'हकदार न होने' के बावजूद अधिक मुआवज़ा दिए जाने के आरोपों के बाद दिया गया था।

पीठ ने जारी किए निर्देश

डीजीपी उत्तर प्रदेश पिछली एसआईटी द्वारा चिन्हित मुद्दों को देखते हुए आईपीएस संवर्ग के तीन पुलिस अधिकारियों वाली एक एसआईटी गठित करेंगे।

इस प्रकार गठित एसआईटी तुरंत प्रारंभिक जांच दर्ज करेगी। पिछली एसआईटी द्वारा उजागर किए गए बिंदुओं की जांच करेगी। इस संबंध में फोरेंसिक विशेषज्ञों के साथ-साथ राज्य पुलिस के आर्थिक अपराध शाखा को भी शामिल किया जाएगा।

यदि एसआईटी, प्रारंभिक जांच के बाद, यह पाती है कि प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध किया गया है, तो वह मामला दर्ज करेगी और कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई करेगी।

एसआईटी के परिणाम को एसआईटी प्रमुख द्वारा स्थिति रिपोर्ट के माध्यम से रिकॉर्ड पर रखा जाएगा, जो पुलिस आयुक्त के पद से नीचे का अधिकारी नहीं होगा। नोएडा के दैनिक कामकाज में पारदर्शिता और नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण लाने के लिए, एसआईटी रिपोर्ट की एक प्रति **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

क्या है एसआईटी की रिपोर्ट

एसआईटी रिपोर्ट ने संकेत दिया कि 20 मामलों में भूस्वामियों को अत्यधिक मुआवज़ा दिया गया। इसमें नोएडा के दोषी अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं। इस सवाल पर कि क्या लाभार्थियों और नोएडा अधिकारियों के बीच मिलीभगत थी, एसआईटी ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों, उनके परिवार के सदस्यों, भूस्वामियों और संबंधित अवधि के दौरान अधिकारियों द्वारा अर्जित संपत्तियों के बैंक खातों के विवरण की जांच करना आवश्यक है।

रिपोर्ट में आगे उल्लेख किया गया है कि नोएडा में निर्णय लेने की प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महत्वपूर्ण निर्णय जनता के बिना रिपोर्टिंग के लिए जाते हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि परियोजनाओं पर नियमित सार्वजनिक रिपोर्टिंग का अभाव है और नीतियां डेवलपर्स के पक्ष में होती हैं।

13700 करोड़ की परियोजनाओं से चमक उठेगा नोएडा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में आमजन के लिए मेट्रो की करीब 12000 करोड़ की पूर्ण, प्रगतिरत और प्रस्तावित परियोजनाओं के अलावा 1700 करोड़ की परियोजनाएं पूर्ण एवं प्रगतिरत योजनाओं से नोएडा चमक उठेगा। भंगेल एलिवेटेड का निर्माण 608 करोड़ की लागत से किया गया। वहीं चिल्ला एलिवेटेड रोड नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर सेक्टर-14 से महामाया मलाईओवर तक लगने वाले भीषण जाम की समस्या से निजात दिलाएगा। इसका काम 3 साल में पूरा होगा।

प्राधिकरण ने बताया कि 26 जनवरी 2019 से नोएडा सेक्टर 51 से डिपो स्टेशन तक एक्वा लाइन कार्यशील है। 5,503 करोड़ की लागत से 29.707 किलोमीटर लंबी है।

इस लाइन के विस्तार के लिए डिपो स्टेशन से बोडाकी एमएमटीएच तक विस्तार को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है और यह निर्माणाधीन है। यह 2.60 किलोमीटर लंबा खंड जुनपत गांव और बोडाकी एमएमटीएच को जोड़ेगा। जिसकी अनुमानित परियोजना लागत रुपए 416.34 करोड़ है। **(शेष -4 पर)**

सनातन धर्म मंदिर में जन्माष्टमी आज से 16 तक

नोएडा (चेतना मंच)। श्री सनातन धर्म मंदिर नोएडा में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का भव्य आयोजन आज से शुरू होकर 16 अगस्त तक मध्य रात्रि तक चलेगा। जिसमें भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा जो सायं 6:00 बजे से प्रारंभ होकर प्रभु इच्छा तक चलेगा। 16 अगस्त को जन्माष्टमी का पूजन प्रात: 5:30 बजे से देव दर्शन, झूला, पूजन, सहस्त्रनाम जाप अभिषेक, आराधना, रात्रि 12:00 बजे श्री कृष्ण जन्म महोत्सव महाआरती भोग प्रसाद और सुंदर आतिशबाजी का आयोजन किया जाएगा। **(शेष-4 पर)**

तिरंगे वस्त्र में नजर आएंगे कान्हा व राधा

हुसैनीवाला के शहीद प्रेरणा स्थल से जोश के साथ शुरू हुई प्रेरणा यात्रा

बीएसएफ के अधिकारियों ने रज धूली के कलश को नमन कर 'जय हो' संस्था को सौंपा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जय हो एक सामाजिक संस्था द्वारा निकाली जा रही ऐतिहासिक प्रेरणा यात्रा आज गुरूवार प्रात: हुसैनीवाला स्थित शहीद प्रेरणा स्थल से प्रारंभ हुई। इस दौरान बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के अधिकारियों के द्वारा रज धूली को नमन कर शहीद ए आजम भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव जी के कलश संस्था के सदस्यों को सौंपे गए। जिसके बाद संस्था के सदस्यों द्वारा सतलुज नदी का जल भरा गया और यात्रा को भारत माता के जय घोष के साथ प्रारंभ किया गया। जय हो एक सामाजिक संस्था के संस्थापक संयोजक कपिल शर्मा ने बताया कि आजादी के महापर्व के अवसर पर जिले में ऐतिहासिक प्रेरणा यात्रा निकाली जा रही है। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

वोट चोरी

जवाबदेही चुनाव आयोग की है। यदि 'वोट चोरी' के गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं और उस मुद्दे पर करीब 300 सांसद सड़क पर हैं, तो यह कोई सामान्य परिस्थिति नहीं है। चुनाव आयोग कन्नी नहीं काट सकता और न ही विपक्षी नेता के हलफनामे का इंतजार कर सकता। संविधान ने निष्पक्ष और तटस्थ निर्वाचन का दायित्व चुनाव आयोग को सौंपा है, लिहाजा सम्यक् जवाबदेही भी उसी की है। आयोग को 'वोट चोरी' पर खुद स्पष्टीकरण देना चाहिए। औसत नागरिक न्यायपालिका, संसद और चुनाव आयोग के प्रति श्रद्धा और सम्मान के भाव रखता है। वे भाव खंडित नहीं होने चाहिए। हालांकि आयोग ने शनिवार को सर्वोच्च अदालत में हलफनामा देकर आश्वस्त किया है कि जो 65 लाख सवालिया मतदाता बिहार की मतदाता-सूची से बाहर किए गए हैं, उनके पक्ष सुने जा सकते हैं। अभी तक सूची में दर्ज योग्य और पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे, तो उन्हें बाकायदा नोटिस जारी किए जाएंगे, उनके स्पष्टीकरण सुने जाएंगे, तब आयोग निर्णय लेगा कि वे पात्र मतदाता हैं अथवा नहीं। बिहार के संदर्भ में यह प्रक्रिया एक सितंबर तक जारी रहेगी। सर्वोच्च अदालत में मंगलवार और बुधवार को इस मामले पर सुनवाई तय की गई थी। उसके बाद ही कोई फैसला सामने आएगा, लेकिन चुनाव आयोग की फजीहत नहीं होनी चाहिए। जिस तरह के विशेषण, रूपक और उपमाएं आयोग के लिए मीडिया में इस्तेमाल की जा रही हैं, वे अशोभनीय और अमर्यादित हैं। यह अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है। चुनाव आयोग पर 'भाजपाई' होने के जो आरोप चस्पां किए जा रहे हैं, आयोग उन पर न तो खामोश रहे और न ही आरोपों का खंडन करे। उसे आरोपित मामलों में कार्रवाई करनी चाहिए और देश के सामने सार्वजनिक करना चाहिए कि 'वोट चोरी' के आरोप कितने तथ्यात्मक हैं और कितने पूर्वाग्रही हैं? विपक्ष ने आरोप लगाए हैं कि एक ही पते पर 80,100 या उससे अधिक मतदाता बनाए गए हैं। ऐसी खबरें देश के कई राज्यों से आ रही हैं। आयोग को स्पष्टीकरण देना चाहिए, लेकिन इसकी सामाजिक और कामकाजी पृष्ठभूमि भी जाननी चाहिए। वैसे हम बता दें कि देश में 45 करोड़ से अधिक लोग प्रवासी हैं। उन्हें पुराने घर का पता छोड़ कर नए ठिकाने का पता जोड़ना पड़ता है। यह प्रक्रिया असंगठित क्षेत्र के कामगारों और मजदूरों के लिए बहुत कठिन है। मतदाताओं के नाम कटने और जोड़ने की गतिविधियां और समीक्षाएं होती रही हैं। भारत में 95 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता हैं। महानगरों में 30 लाख से अधिक लोग ऐसे हैं, जिनके पास एक निश्चित पता नहीं है। वोटर आई कार्ड पाने के लिए वे उस व्यक्ति पर निर्भर रहते हैं, जो उन्हें 'घर का पता' इस्तेमाल करने की अनुमति देता है। देश में निर्माण-स्थल पर काम करने वाले करीब 1 करोड़ मजदूर उसी स्थल पर रहते हैं अथवा आसपास रहते हैं या ठेकेदार के किसी पते पर रहने को विवश हैं। क्या उन्हें मताधिकार प्राप्त नहीं है? ऐसे लोगों का स्थायी या पुश्तैनी पता कैसे हो सकता है? हमारा दावा यह नहीं है कि एक ही पते पर कई मतदाताओं के कार्ड बनाने की प्रक्रिया में धांधलेबाजी नहीं है। राजनीतिक दल अपना वोट बैंक पुख्ता करने के लिए ऐसा करते रहे हैं, लेकिन समग्रता में यह मामला बेहद संवेदनशील है। चुनाव आयोग को भी समझना चाहिए। हमारा मानना है कि इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। फर्जी वोट या मतदान के दिन बूथ छापने या लूटने की घटनाएं होती रही हैं। बहरहाल अब मतदान ईवीएम से होता है। कई विपक्षी दलों को उस पर भी आपत्ति है। मौजूदा हालात में 'वोट चोरी' नहीं होनी चाहिए और इस पर जवाबदेही आयोग की है। गौरतलब यह है कि जिनका मताधिकार छीन लिया जाएगा, उनके लिए लोकतंत्र के मायने 'शून्य' हैं। सदनों में उनके जन-प्रतिनिधि नहीं होंगे, तो यह कैसा लोकतंत्र होगा! मतदाता-सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार है। आयोग की छवि पर कोई कलंक न आए, लिहाजा चुनाव आयोग को जवाबदेही देनी है। पहले भी ऐसा होता रहा है, जब भाजपा विपक्ष में थी।

कांग्रेस ने पाकिस्तान जैसा राक्षस पैदा करने की ऐतिहासिक गलती की

1947 का भारत-विभाजन इतिहास की सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक है। लाखों लोग अपने घर-परिवार, ज़मीन-जायदाद छोड़ने पर मजबूर हुए, लाखों लोगों की हत्या हुई और करोड़ों लोग विस्थापन की त्रासदी से जूझे। यह केवल एक भू-राजनीतिक घटना नहीं थी, बल्कि एक स्थायी घाव था, जो आज भी भारत के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक ताने-बाने को प्रभावित करता है। कांग्रेस के तत्कालीन नेताओं ने अंग्रेजों द्वारा पेश किए गए विभाजन के प्रस्ताव को स्वीकार कर ऐतिहासिक भूल की थी जिसकी भरपाई आज भी समस्त भारतीय कर रहे हैं। हालांकि कई इतिहासकार तत्कालीन परिस्थितियों में विभाजन के प्रस्ताव को स्वीकार करने को 'व्यावहारिक समाधान' बताते हैं, लेकिन इसके आलोचक मानते हैं कि यह एक ऐसी रणनीतिक गलती थी, जिसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी है।

उस समय की परिस्थितियों पर गौर करें तो उभर कर आता है कि 1940 के दशक के अंत में भारत की राजनीतिक स्थिति बेहद अस्थिर थी। मुस्लिम लीग, मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व में, 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' पर अड़ी हुई थी— यानी हिंदू और मुस्लिम अलग-अलग राष्ट्र हैं और साथ नहीं रह सकते। अंग्रेज, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कमजोर हो चुके थे और जल्द-से-जल्द भारत छोड़ना चाहते थे। वह एकीकृत भारत छोड़ने की बजाय 'बंटा हुआ भारत' छोड़ने में ज़्यादा सहज थे, क्योंकि इससे भविष्य में उनके सामरिक हित साधे जा सकते थे। कांग्रेस नेतृत्व, खासकर जवाहर लाल नेहरू लगातार सांप्रदायिक हिंसा, दंगे और मुस्लिम लीग के साथ गतिरोध से थक चुके थे। उनके लिए विभाजन, भले ही दर्दनाक था, लेकिन तत्काल स्थिरता का एक साधन लग रहा था।

देखा जाये तो विभाजन स्वीकार करना, जिन्ना के इस तर्क को अप्रत्यक्ष रूप से वैध ठहराना था कि हिंदू और मुस्लिम एक साथ नहीं रह सकते। इससे न केवल भारत की धर्मनिरपेक्षता को झटका लगा, बल्कि यह तर्क बाद के दशकों में पाकिस्तान के भारत-विरोधी नैरेटिव की जड़ बन गया। साथ ही पाकिस्तान बनने से भारत का भू-राजनीतिक नक्शा बदल गया। पश्चिम में पाकिस्तान और पूर्व में (1971 तक) पूर्वी पाकिस्तान की मौजूदगी ने भारत को दो मोर्चों पर रक्षा की चुनौती में झोंक दिया। इसके साथ ही विभाजन के साथ ही कश्मीर का मुद्दा सामने आया। अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान के कबायली हमले ने इस विवाद को जन्म दिया, जो आज तक भारत की सबसे बड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है। इसके अलावा, पाकिस्तान की स्थापना ने भारत की पश्चिमी सीमा पर एक स्थायी शत्रु पैदा कर दिया। चार बड़े युद्ध (1947, 1965, 1971, 1999) और लगातार सीमा पार आतंकवाद इस गलती की प्रत्यक्ष कीमत हैं।

देखा जाये तो भारत-पाकिस्तान संबंधों की मौजूदा कीमत केवल युद्ध, गोलीबारी या आतंकी हमलों के आंकड़ों में नहीं मापी जा सकती। असली बोझ इससे कहीं गहरा है— सामाजिक अविश्वास, आर्थिक नुकसान, स्थायी सुरक्षा खतरे और विकास पर लगा अदृश्य ताला।

इसके अलावा, विभाजन से उपजी समस्याएं जो आज भी भारत को परेशान कर रही हैं उनमें सीमा पार आतंकवाद सबसे बड़ी चुनौती है। दरअसल पाकिस्तान की सुरक्षा नीति का केंद्र भारत को अस्थिर करना है। इसके साथ ही भारत का रक्षा बजट हर साल बढ़ता जा रहा है, क्योंकि पाकिस्तान से खतरा हमेशा बना हुआ है। यह खर्च शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में निवेश को सीमित करता है। अगर पाकिस्तान नहीं बना होता, तो यह पैसा विकास कार्यों में लगाया जा सकता था।

इसके अलावा, विभाजन ने हिंदू-मुस्लिम अविश्वास की खाई गहरी की। आज भी चुनावी राजनीति में पाकिस्तान का हवाला देकर वोट बैंक प्रभावित करने की कोशिश होती है। यह सामाजिक एकता के लिए एक बड़ी चुनौती है। साथ ही, अगर विभाजन न हुआ होता, तो भारत के पास अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधी ज़मीनी पहुंच होती। आज पाकिस्तान के कारण यह संपर्क टूट चुका है और भारत क्षेत्रीय व्यापारिक ब्लॉकों से भी वंचित है। इसके अलावा, 1947 में करोड़ों लोगों का पलायन हुआ, जिसमें हिंसा, बलात्कार, लूटपाट और सामूहिक हत्याएं हुईं। इन घावों की स्मृति पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है, जिसने साम्प्रदायिक संबंधों में तनाव बनाए रखा है।

कुछ इतिहासकार मानते हैं कि अगर कांग्रेस नेतृत्व विशेषकर नेहरू ब्रिटिश हड़बड़ी और मुस्लिम लीग की ज़िद के सामने कुछ और समय तक टिका रहते तो पाकिस्तान का गठन रोका जा सकता था। वहीं कुछ अन्य कहते हैं कि तत्कालीन हिंसक माहौल, ब्रिटिश समय-सीमा और विभाजन-रोधी ताकतों की कमज़ोर स्थिति को देखते हुए यह बात पक्के तौर पर नहीं कही जा सकती कि विभाजन को रोका जा सकता था। देखा जाये तो कांग्रेस द्वारा विभाजन स्वीकारना तत्कालीन हालात में 'समाधान' की तरह दिख रहा था, लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम भारत के लिए बेहद महंगे साबित हुए। यह निर्णय केवल सीमाओं का नहीं, बल्कि भरोसे, विकास और सामाजिक सौहार्द का भी बंटवारा था।

आज 78 साल बाद भी, भारत पाकिस्तान-जनित चुनौतियों— कश्मीर विवाद, सीमा पार आतंकवाद, रक्षा बोझ और साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण से जूझ रहा है। विभाजन हमें यह सिखाता है कि अल्पकालिक राजनीतिक समाधान, अगर दूरगामी दृष्टि के बिना लिए जाएं, तो वह पीढ़ियों तक देश को भारी कीमत चुकाने पर मजबूर कर सकते हैं।

देखा जाये तो भारत-पाकिस्तान संबंधों की मौजूदा कीमत केवल युद्ध, गोलीबारी या आतंकी हमलों के आंकड़ों में नहीं मापी जा सकती। असली बोझ इससे कहीं गहरा है— सामाजिक अविश्वास, आर्थिक नुकसान, स्थायी सुरक्षा खतरे और विकास पर लगा अदृश्य ताला। और इस ऐतिहासिक बोझ की जड़ में कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व की अदूरदर्शिता है, जिसने अंग्रेजों की विभाजनकारी नीति को समय रहते चुनौती नहीं दी।

महात्मा गांधी धर्म के आधार पर देश के बंटवारे के खिलाफ थे। उनके लिए आज़ादी का मतलब केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि शांति, सद्भाव और समानता वाला भारत था। इसी वजह से वह 15 अगस्त 1947 के जश्न में शामिल नहीं हुए क्योंकि यह वह 'पूर्ण स्वतंत्रता' नहीं थी जिसके लिए उन्होंने सत्याग्रह और असहयोग आंदोलनों की अगुवाई की थी। कांग्रेस नेतृत्व की सहमति ने उनके सपनों को आधा-अधूरा कर दिया था।

साथ ही, इतिहास गवाह है कि अंग्रेजों ने जिन देशों में विभाजन कराया— आयरलैंड, फिलिस्तीन, साइप्रस और भारत, उनमें भारत का विभाजन ही सबसे रक्तरंजित रहा। लाखों जानें गईं, करोड़ों लोग बेघर हुए और पीढ़ियों तक घाव ताजा रहे। यहां सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब कांग्रेस का तत्कालीन नेतृत्व अंग्रेजों की चाल और उनकी 'फूट डालो, राज करो' नीति को भली-भांति समझता था, तब भी उन्होंने विभाजन का खुलकर विरोध क्यों नहीं किया था? क्या यह राजनीतिक थकान थी, साम्प्रदायिक हिंसा के दबाव में लिया गया समझौता था? या फिर सत्ता तक शीघ्र पहुंचने की अधीरता थी? जो भी कारण रहे हों, उनका परिणाम आज भी भारत भुगत रहा है। देखा जाये तो इतिहास के उस मोड़ पर लिया गया निर्णय न केवल तत्कालीन पीढ़ी के लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी स्थायी संकट का कारण बन गया।

बहरहाल, देश के विभाजन के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। अपनी आजादी का जश्न मनाते हुए एक कृतज्ञ राष्ट्र के रूप में हमें अपनी मातृभूमि के उन बेटे-बेटियों को 14 अगस्त के दिन विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर अवश्य नमन करना चाहिए, जिन्हें हिंसा के उन्माद में अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ी थी। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित करता है बल्कि इससे देश की एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी।

-नीरज कुमार दुबे

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि सब प्रकार से बलवती माया को देखा कि वह (भगवान के सामने) अत्यन्त भयभीत हाथ जोड़े खड़ी है। जीव को देखा, जिसे वह माया नचाती है और (फिर) भक्ति को देखा, जो उस जीव को (माया से) छुड़ा देती है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तन पुलकित मुख बचन न आवा। नयन मूदि चरननि सिरु नावा॥
बिसमयवंत देखि महतारी। भए बहुरि सिसुरूप खरारी॥

(माता का) शरीर पुलकित हो गया, मुख से वचन नहीं निकलता। तब आँखें मूँदकर उसने श्री रामचन्द्रजी के चरणों में सिर नवाया। माता को आश्चर्यचकित देखकर खर के शत्रु श्री रामजी फिर बाल रूप हो गए॥

अस्तुति करि न जाइ भय माना। जगत पिता मैं सुत करि जाना॥
हरि जननी बहुबिधि समुझाई। यह जनि कतहुँ कहसि सुनु माई॥

(माता से) स्तुति भी नहीं की जाती। वह डर गई कि मैंने जगत्पिता परमात्मा को पुत्र करके जाना। श्री हरि ने माता को बहुत प्रकार से समझाया (और कहा-) हे माता! सुनो, यह बात कहीं पर कहना नहीं॥

दो0- बार बार कौसल्या बिनय करइ कर जोरि।
अब जनि कबहूँ ब्यापै प्रभु मोहि माया तोरि॥

कौसल्याजी बार-बार हाथ जोड़कर विनय करती हैं कि हे प्रभो! मुझे आपकी माया अब कभी न व्यापे॥ (क्रमशः...)

ब्लू ड्रम (व्यंग्य)

यह भी एक अजीब दौर है। पहले प्रेम कहानियाँ लिखी जाती थीं, कविताएँ गढ़ी जाती थीं, लेकिन अब तो हर तरफ 'ब्लू ड्रम' की चर्चा है। यह 'ब्लू ड्रम' अब केवल एक ड्रम नहीं रहा, बल्कि एक प्रतीक बन गया है। प्रतीक उस प्रेम का, जो लाल रंग से नहीं, नीले रंग से लिखा गया है। प्रतीक उस त्याग का, जो पत्नी ने अपने पति के लिए नहीं, बल्कि अपने प्रेमी के लिए किया। और प्रतीक उस आधुनिकता का, जिसमें रिश्तों की डोर इतनी कमजोर हो गई है कि वह एक ड्रम और एक बोरी सीमेंट के भार को भी नहीं सह पाती।

वैसे तो हमारे समाज में प्रेम की परिभाषा बड़ी पुरानी है। लैला-मजनूं, हीर-रांझा, शीरीं-फरहाद- इन सबकी कहानियों में न तो कोई ड्रम था, न कोई सीमेंट। उस जमाने में प्रेम के लिए दीवारें फाँदी जाती थीं, रेगिस्तान पार किए जाते थे, और न जाने क्या-क्या पापड़ बेले जाते थे। लेकिन इस आधुनिक युग में, प्रेम के लिए सबसे आसान तरीका है- पति को मारकर उसे एक ड्रम में भर देना।

हमारे पड़ोस में एक श्रीमान खुसुरफुसुर रहते थे। उनका नाम खुसुरफुसुर इसलिए पड़ा, क्योंकि जब भी वह अपनी पत्नी से बात करते, उनकी आवाज इतनी धीमी होती थी कि कोई दूसरा सुन न पाए। लोग कहते थे, 'मालिक, आप इतने धीरे क्यों बोलते हैं? पत्नी से प्रेम है तो चिल्ला कर कहिए!' इस पर श्रीमान खुसुरफुसुर मुस्कुराते हुए कहते, 'प्रेम तो है, लेकिन अगर चिल्ला कर कहूँगा, तो सारा मोहल्ला सुन लेगा। फिर कहीं प्रेम की कहानी में कोई तीसरा किरदार न आ जाए।'

लेकिन श्रीमान खुसुरफुसुर की यह सावधानी

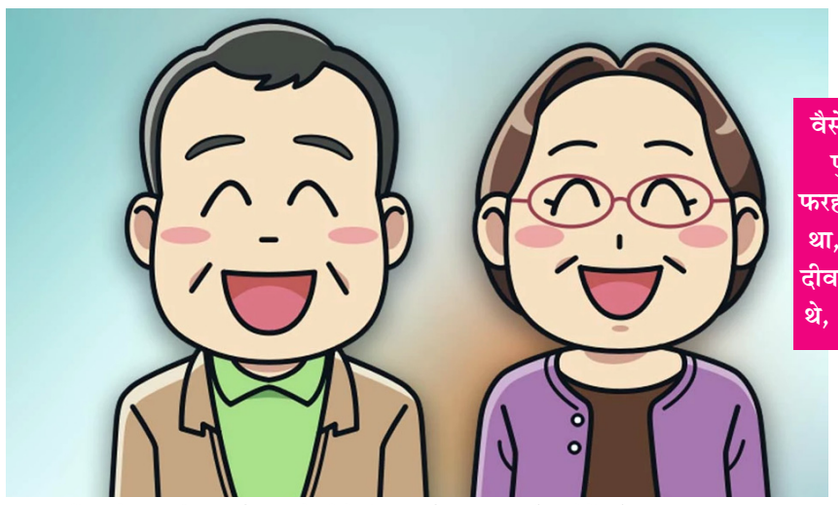

काम नहीं आई। एक दिन उनके घर से नीले रंग का एक ड्रम बरामद हुआ। और उस ड्रम में सिर्फ सीमेंट ही नहीं, बल्कि श्रीमान खुसुरफुसुर का वह प्रेम भी था, जो उन्होंने अपनी पत्नी के लिए वर्षों से छिपा रखा था।

यह घटना सुनकर श्रीमान खलबली को बहुत दुख हुआ। वह अपने जमाने के आशिक थे, जो अपनी प्रेमिका के लिए सात समंदर पार करने की बात करते थे। लेकिन इस ब्लू ड्रम की कहानी ने उनका दिल तोड़ दिया।

'मास्साब,' उन्होंने मुझसे कहा, 'यह क्या हो रहा है? क्या हमारे देश में प्रेम की यह नई परिभाषा है? पहले तो पति-पत्नी के रिश्ते में प्यार होता था, तकरार होती थी, लेकिन अब तो केवल ड्रम और सीमेंट है।'

मैंने उनसे कहा, 'श्रीमान खलबली, यह नई परिभाषा नहीं, बल्कि एक नया आविष्कार है। यह प्रेम की 'मेक इन इंडिया' पॉलिसी का हिस्सा है। अब प्यार करने के लिए किसी पहाड़ पर नहीं जाना पड़ता, किसी नदी को पार नहीं करना पड़ता, बस एक ड्रम और कुछ बोरियाँ सीमेंट खरीदनी होती हैं। यह तो 'अटल प्रेम योजना' का एक हिस्सा है, जहाँ कम खर्च में प्रेम को स्थायी बनाया जा सकता है।'

इस घटना के बाद हमारे मोहल्ले में एक नई बहस शुरू हो गई। कोई कह रहा था कि पत्नी ने गलत किया, तो कोई कह रहा था कि पति ही गलत था। लेकिन एक बात पर सब सहमत थे- ड्रम का रंग नीले के बजाय लाल होना चाहिए था। कम से कम प्रेम तो लाल रंग का होता है।

इस घटना के बाद मैंने सोचा कि क्यों न

वैसे तो हमारे समाज में प्रेम की परिभाषा बड़ी पुरानी है। लैला-मजनूं, हीर-रांझा, शीरीं-फरहाद- इन सबकी कहानियों में न तो कोई ड्रम था, न कोई सीमेंट। उस जमाने में प्रेम के लिए दीवारें फाँदी जाती थीं, रेगिस्तान पार किए जाते थे, और न जाने क्या-क्या पापड़ बेले जाते थे।

एक नया बिजनेस शुरू किया जाए - 'ब्लू ड्रम एम्बलम'। जो भी अपनी पत्नी के प्रेम से तंग आ जाए, वह यह ड्रम खरीद सकता है। और इस ड्रम के साथ एक गारंटी कार्ड भी मिलेगा, जिस पर लिखा होगा- 'आपका पति अब सुरक्षित रहेगा, और आपका प्रेम स्थायी हो जाएगा।'

इस घटना ने मुझे यह भी सिखाया कि प्यार करने के लिए एक दिल ही काफी नहीं, बल्कि एक दिमाग भी चाहिए। और वह दिमाग जो यह सोच सके कि प्यार को स्थायी बनाने का सबसे आसान तरीका क्या है। अब तो प्रेम की कहानियों में न तो कोई राजकुमार होता है, न कोई राजकुमारी। अब तो केवल एक ड्रम होता है, एक सीमेंट की बोरी होती है, और एक ऐसी पत्नी होती है, जो अपने प्रेम को स्थायी बनाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

- डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',

राशिफल

भाद्रपद माह, कृष्ण पक्ष, षष्ठी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
धन दायक समय। कुटुंब में वृद्धि होगी। अनेकों तरह की परेशानियां सॉल्व होंगी इन दिनों। स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
एक अलग तेज। एक अलग आकर्षण आ गया है आपमें। जो चाह रहे हैं वो हो रहा है और जैसा सोच रहे हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
खर्च की अधिकता कर्ज की स्थिति ला सकती है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम। प्रेम, संतान की स्थिति दूरी वाली।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आर्थिक लाभ होगा। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य पहले से काफी बेहतर होगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। पिता का साथ होगा। व्यावसायिक स्थिति बहुत उतरोतर वृद्धि करेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितयां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
रोगग्रस्त हो सकते हैं। छोटी-मोटी परेशानियां परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
प्रेम की स्थिति बहुत अच्छी है। संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। जीवन में बुद्धि के कारण बहुत आगे बढ़ रहे हैं आप।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

कांग्रेस ने किया प्रसारण कार्यशाला का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला कांग्रेस कमेटी कैंप कार्यालय ग्रेटर नोएडा वेस्ट बिसरख

पर कांग्रेस पार्टी व संपूर्ण विपक्ष के देशव्यापी अभियान वोट चोरी पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं व स्थानीय मतदाताओं की जानकारी हेतु एक प्रसारण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिला कांग्रेस कमेटी गौतम बुध नगर के अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने बताया की मुख्यतःआज की प्रसारण कार्यशाला का मकसद विगत सप्ताह नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी द्वारा एक पत्रकार वार्ता के माध्यम से सजीव प्रसारण करके एक प्रेजेंटेशन के द्वारा सबूत के साथ यह बताया गया था की किस प्रकार भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर भारत का निर्वाचन आयोग लगातार चुनाव में गड़बड़ी करने या होने देने के लिए संदेह के दायरे में है।

प्रसारण कार्यशाला इसी संदर्भ में हमारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं व स्थानीय जिज्ञासु मतदाताओं को न सिर्फ यह दिखाने का और समझने का प्रयास भर है की श्री राहुल गांधी ने किन-किन बिंदुओं को लेकर यह बताया की कैसे समूचे देश में वोट चोरी हो रही है।

जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि यदि हम जनपद गौतम बुध नगर का ही उदाहरण लेते हैं तो लोकसभा गौतमबुद्ध नगर के बीजेपी के सांसद डॉ महेश शर्मा पूरे उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा वोटो से जीतने वालों में हैं जबकि स्थानीय स्तर पर सभी सर्वे सभी विश्लेषण व राजनीतिक कार्यकर्ताओं का आकलन अनेक अनुसंधानों के आधार पर यही था की गौतम बुध नगर में बीजेपी के प्रत्याशी तथा इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी के मध्य बेहद कड़ा मुकाबला होगा मगर नतीजा सबके सामने है।

प्रदेश में कई लोकसभा सीटें ऐसी हैं जहां पर चुनाव नतीजे संदेह के दायरे में हैं। जिला गौतम बुद्ध नगर के कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता जिला निर्वाचन अधिकारी से शीघ्र मिलकर मशीन रीडेबल मतदाता सूची की मांग करेंगे ताकि आधुनिक डिजिटल माध्यमों से जिला गौतमबुद्ध नगर में यह पता लगाया जा सके की संपूर्ण देश में हो रही वोट चोरी के मामले में गौतम बुद्ध नगर में क्या स्थिति है।

प्रसारण कार्यशाला में मुकेश शर्मा, महाराज सिंह नागर, धर्म सिंह, तनवीर अहमद, गौतम सिंह, निशा शर्मा, देवेश चौधरी, कपिल भाटी,आर० के० प्रथम, सुबोध भट्ट, रमेश बाल्मीकि, नरेश शर्मा, विपिन त्यागी, धीरे सिंह, हरेन्दर शर्मा, सुहाना, साहिबा अंसारी, मुस्कान, रूपेश भाटी, ओमकार सिंह राणा, योगी प्रधान, यश भाटी, सचिन भाटी, रवि कुमार, दीपेश सिंह, दुर्गेश, सुमित, इंद्रेश कुमार, रामकेवल, दिनेश यादव, अंकित लोहिया आदि लोग मौजूद रहे।

सैक्टर पी -4 में ख़राब पड़ी जिम का हुआ सौंदर्यीकरण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पी-4 मे पिछले काफ़ी समय से ख़राब पड़ी जिम का सौंदर्यीकरण किया गया इस संबंध में सैक्टर निवासी एवं किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण नागर ने कहा कि पिछले दिनों ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी गिरिश कुमार झा ने पिछले दिनों सेक्टर का दौरा किया था उसी संबंध में पिछले काफ़ी समय से ख़राब पडी जिम को भी उनके संज्ञान में लाया गया था उन्होंने तुरंत निचले अधिकारियों को आदेश जारी कर जिम का सौंदर्यीकरण करने के लिए कहा था आज ठेकेदार पवन सिह ने अपनी टीम के साथ सेक्टर में जिम के ख़राब पड़े सामान को हटाकर नया जिम का सामान लगाया गया एवं सौंदर्यीकरण किया गया नई जिम से सेक्टर वासियों में खुशी की लहर है इस संबंध मे सेक्टर वासियों ने प्राधिकरण के अधिकारियों एवं ठेकेदार का नाम आभार प्रकट किया

भाजपा की बैठक में पहुंचे प्रदेश संगठन मंत्री

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह का गलगोटिया कॉलेज मेट्रो स्टेशन पर जिला इकाई मंडल इकाई के द्वारा भव्य स्वागत किया। भारतीय जनता पार्टी पश्चिम क्षेत्र की बैठक रेड कारपेट होटल ग्रेटर नोएडा में आयोजित हुई।

इस अवसर पर मुख्य रूप से पश्चिम क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशोदिया पूर्व केन्द्रीय मंत्री सांसद डॉक्टर महेश शर्मा राज्य सभा सांसद सुरेन्द्र नागर प्रदेश उपाध्यक्ष कान्ता कर्दम प्रदेश मंत्री चंद्रमोहन सिंह जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर विकाश अग्रवाल हरिओम शर्मा आशीष वत्स बिजेन्दर नागर तेजा गुर्जर गोविंद चौधरी पूर्व जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी दीपक भारद्वाज धर्मेन्द्र कोरी मनोज गर्ग सतेन्द्र नागर राहुल पंडित वीरेन्द्र भाटी कर्मवीर आर्य सत्यपाल शर्मा गुरुदेव भाटी अमित पंडित राज नागर ओमकार भाटी ऋषभ शर्मा इंदर नागर अरुण प्रधान रवि जिन्दल तिवारी मनोज भाटी दिनेश भाटी मनोज प्रधान अजय निगम विमल पुंडीर सचिन गौतम आदि सैकडों पदाधिकारी व कार्यकर्ता बैठक में उपस्थित रहे।

शिक्षक संघ का दादरी में हुआ अधिवेशन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा व जिला मंत्री गजन भाटी के नेतृत्व में विकास खंड दादरी के अध्यक्ष एवं मंत्री पद पर त्रिवार्षिकअधिवेशन/ निर्वाचन एवं शैक्षिक गोष्ठी उच्च प्राथमिक विद्यालय सादोपुर विकास खण्ड दादरी में आयोजित किया गया। मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी की गरिमामई उपस्थिति में मंच का संचालन डा भूपेंद्र नागर ने किया।

निर्वाचन अधिकारी बलेराम नागर यादव (जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष) एवं पर्यवेक्षक हेमराजशर्मा (जिला कोषाध्यक्ष) द्वारा चुनाव प्रक्रिया के निर्धारित समय के अनुसार नामांकन प्रात:11बजे से 12 बजे तक किया गया।

ब्लॉक अध्यक्ष पद के लिए 01 नामांकन रवि भाटी और ब्लॉक मंत्री पद पर भी मात्र एक नाम श्रीमति मनीषा मथुरिया का नामांकन पत्र दाखिल हुआ। नामांकन पत्रों की जाचोंपरांत रवि भाटी को ब्लॉक अध्यक्ष एवं श्रीमती मनीषा मथुरिया को ब्लॉक मंत्री पद के लिए निर्वाचित घोषित किया गया। साथ ही साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ भूपेन्द्र नागर

,ब्लॉक संयुक्त मंत्री जितेन्द्र कुमार,उपाध्यक्ष जगवीर शर्मा,संघटन मंत्री ममता शर्मा को भी निर्विरोध घोषित किया गया।

चुनाव अधिकारी द्वारा शीघ्र ही कार्यसमिति बनाकर ज़िला कार्यकारिणी को देने का आदेश भी दिया। चुनाव में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सम्मानित सैकड़ों अध्यापकों ने बधाई दी। नवनिर्वाचित ब्लॉकअध्यक्ष रवि भाटी ,ब्लॉक मंत्री श्रीमती मनीषा मथुरिया ने संघ में पूर्ण आस्था के साथ कार्य करने का आश्वासन दिया।

मण्डल अध्यक्ष मेघराज भाटी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष मंत्री को शुभकामनाएँ देने के साथ कहा कि संघ में नि:स्वार्थ अध्यापकों की सेवा करने वाले साथियों की आवश्यकता है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष/ मंत्री संघ में निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

जिलाध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के शिक्षकों का सबसे बड़ा संगठन है यह शिक्षकों के अधिकारों के लिए मजबूती से लड़ाई लड़ता रहा है ।और आगे भी शिक्षकों के मान सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

जिलामंत्री गजन भाटी ने बताया कि जिला कार्यकारिणी के नेतृत्व एवं प्रचार प्रसार से कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। प्रत्येक विकास खण्ड में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराया जा रहे है।हमारे संघ का प्रत्येक पदाधिकारी शिक्षक हित में कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर मण्डलिक अध्यक्ष मेघराज भाटी,जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, संरक्षक इलम सिंह नागर एवं अशोक शर्मा, जिला मंत्री गजन भाटी जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष ब्लेराम नागर, जिला कोषाध्यक्ष हेमराज शर्मा, जिला संगठन मंत्री विनोद ठाकुर, बिसरख अध्यक्षा स्मिता सिंह,दनकौर अध्यक्ष सतीश पीलवान ,मंत्री रामकुमार शर्मा , जिला संगठन मंत्री शशि मिश्रा, सीमा तिवारी , जिला उपाध्यक्ष अतुल उपाध्याय, निर्मला त्यागी, राजन मलिक , सुरेश नागर समरेश रावल, सतीश नागर, कुलदीप नागर ,जगवीर शर्मा सहित बड़ी संख्या में दादरी ब्लॉक के सम्मानित अध्यापक उपस्थित रहे।

भाकियू बलराज के राष्ट्रीय बलराज भाटी घायल, अस्पताल में भर्ती

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गत दिवस क्रिकेट टूर्नामेंट के उदघाटन कार्यक्रम में बुरी तरह बॉल लगने से घायल हो गए। उन्हें कार्यकर्ताओं ने उपचार के लिए तत्काल ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने अथक प्रयास कर उनके जबड़े का आपरेशन किया जो पूरी तरह से सफल रहा। यह जानकारी भाकियू बलराज की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा सिवाल ने दी है। उन्होंने बताया है कि अब राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी पूरी तरह से स्वस्थ हैं।

सीटू कार्यकर्ताओं ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का फूंका पुतला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ट्रंप की टैरिफ धमकियों और भारत यूके सीईटीए के खिलाफ केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, एसकेएस द्वारा 13 अगस्त 2025 को पूरे देश में राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा में विरोध दिवस मनाने के आह्वान के तहत सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन सीटू व अखिल भारतीय किसान सभा गौतम बुध नगर द्वारा संयुक्त रूप से किसान सभा जिला कार्यालय जैतपुर ग्रेटर नोएडा पर सभा कर जुलूस निकाल कर जैतपुर गांव के चौराहे पर ट्रंप का पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया।

सुनील पंडित ने लिया क्षेत्रीय सांसद का आशीर्वाद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी ग्रेटर नोएडा मण्डल के नवागत मंडल उपाध्यक्ष सुनील पंडित तुगलपुरिया कल क्षेत्रीय सांसद एवं पर्वू केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा से मिलकर आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर सुनील पंडित तुगलपुरिया ने कहा कि पार्टी ने जो विश्वास और सम्मान दिया है, उसे मैं अपनी निष्ठा, मेहनत और सेवा भाव से सार्थक सिद्ध करूंगा। मेरा लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना और संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाना है।

रामवीर अवाना बने एनसीआर उपाध्यक्ष

नोएडा (चेतना मंच)। चौधरी रामवीर सिंह अवाना को भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) का एनसीआर उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन यूनियन के एनसीआर अध्यक्ष विभोर शर्मा ने किया है। रामवीर के उपाअध्यक्ष बनने पर लोगों ने बधाई दी है।

किशोर घर से लापता

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला गांव से एक 15 वर्षीय किशोर घर से बिना बताए चला गया। किशोर का कोई सुराग न मिलने पर परिजनों ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

किराए पर रहने वाली बबली ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका 15 वर्ष से बेटा 8 अगस्त की शाम को घर से बिना बताए कहीं चला गया। देर रात तक जब वह घर नहीं लौटा तो उसकी तलाश शुरू की गई लेकिन कोई पता नहीं चला। बबली के मुताबिक उनका बेटा मानसिक रूप से कमजोर है और पूर्व में भी वह बिना बताए घर से कहीं चला गया था करीब 10 दिन बाद वह घर वापस लौट आया था।

प्राथमिक विद्यालय में बरसात का पानी जमा, बच्चे नहीं आ रहे स्कूल

नोएडा (चेतना मंच)। नगला चरण दास गांव में स्थित प्राथमिक विद्यालय में बरसात का पानी भरने के

कारण स्कूल में बच्चे नहीं आ पा रहे हैं। जिससे शिक्षण का कार्य पूरी तरह से बाधित हो गया है।

समाजसेवी करण भाटी एवं भारतीय किसान यूनियन के पूर्व महानगर अध्यक्ष भूपेंद्र शर्मा ने कहा कि प्राथमिक विद्यालय के परिसर में कई दिनों से बरसात का पानी जमा है, लेकिन विभाग के लोग कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं उन्होंने कहा कि इसी कारण वहां पर बच्चों की उपस्थिति भी नहीं हो पा रही है उन्होंने कहा कि यदि स्कूल परिसर से पानी नहीं निकल गया तो किसी भी दिन बड़ी घटना घटी हो सकती है उन्होंने जिलाधिकारी एवं नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी का ध्यान आकर्षित करते हुए मांग किया है कि शीघ्र ही प्राथमिक विद्यालय परिसर में जमा हुए पानी का निष्कासन करवाया जाए।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

ब्रिटेन विदेशी अपराधियों को तुरंत डिपोर्ट करेगा

फैसले के खिलाफ अपील का वक्त नहीं मिलेगा इन देशों में भारत शामिल, लिस्ट से पाकिस्तान बाहर

लंदन, अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने विदेशी अपराधियों के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। स्टार्मर ने 'पहले डिपोर्ट, फिर अपील' नीति का ऐलान किया है।

इसका मतलब यह है कि अब ब्रिटेन में अपराध करने पर प्रवासियों को तुरंत उनके देश वापस भेज दिया जाएगा। पहले इसके लिए अपील करने का वक्त मिलता था अब ऐसा नहीं होगा।

अब वे अपने देश वापस जाने के बाद ही अपील कर सकेंगे। अब नई सूची में भारत, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश शामिल किए गए हैं, लेकिन पाकिस्तान को बाहर रखा गया है। जबकि कुछ माह पहले कुख्यात ग्रूमिंग गैंग मामले में पाक नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है।

गृह मंत्री यवेट कूपर का कहना है कि हम अपने कानूनों का दुरुपयोग नहीं होने देंगे। अपराधी महीनों-बरसों अपील के नाम पर यहां नहीं रह सकते।

लिस्ट में कौन-कौन से देश शामिल हैं?

पहले डिपोर्ट फिर अपील नीति के तहत आने वाले देशों में पहले नाइजीरिया, एस्टोनिया, फिनलैंड, अल्बानिया, बेलीज, मॉरीशस, तंजानिया व कोसोवो थे।

अब नई सूची में भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, कनाडा, बुल्गारिया जैसे अहम देश भी हैं। इसके अलावा गुयाना, केन्या, लातविया को भी शामिल किया गया है।

ब्रिटेन की जेलें इस समय 100% क्षमता पर चल रही हैं। यहां की जेलों में इस समय 10772 विदेशी कैदी हैं। इनमें 320 भारतीय शामिल हैं, जो तीसरे नंबर पर आते हैं। पाकिस्तानियों की संख्या भी 317 है।

यहां की जेलों में एक कैदी पर सालाना 50 लाख रु. का खर्च आता है, जो टैक्सपेयर्स की जेब पर सीधा बोझ है।

सरकार का मानना है कि पहले डिपोर्ट, फिर अपील नीति से जेलों में तुरंत जगह खाली होगी और खर्च घटेगा।

विपक्ष का आरोप- स्टार्मर ने राजनीतिक दबाव से पाक को बाहर रखा

विपक्ष का आरोप है कि पाक को लिस्ट से बाहर रखकर सरकार ने राजनीतिक दबाव में झुकने का काम किया है।

विपक्षी पार्टी कंजरवेटिव के नेता क्रिस फिल्प ने इस फैसले को सरकार का 'यू-टर्न' बताया है।

उन्होंने कहा कि स्टार्मर सरकार सभी विदेशी अपराधियों को डिपोर्ट करने की बजाय कुछ देशों के लोगों को बचा रही है।

सरकार का तर्क है कि लिस्ट में उन्हीं देशों को जोड़ा गया है, जिनके साथ कानूनी और प्रशासनिक डिपोर्टेशन समझौते मौजूद हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि 22 देशों की सूची में पाकिस्तान को बाहर रखकर ब्रिटेन ने वहां के साथ सुरक्षा और आतंकवाद निरोधी सहयोग में 'मोल' बढ़ाने की रणनीति अपनाई है। वहीं, भारत के मामले में वीसा उल्लंघन, धोखाधड़ी और आप्रवासन नियम तोड़ने के मामले बढ़ने के चले स्टार्मर सरकार ने सख्त नीति अपनाई है।

शरीफ की गीदड़भभकी: भारत एक बूंद पानी नहीं छीन सकता

ऐसा सबक सिखाएंगे, जिंदगीभर याद रहेगा, 48 घंटे में 3 पाक नेताओं की धमकी

इस्लामाबाद, अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने पर भारत को धमकी दी है। मंगलवार को राजधानी इस्लामाबाद में हुए एक कार्यक्रम में शरीफ ने कहा- दुश्मन (भारत) पाकिस्तान से एक बूंद पानी भी नहीं छीन सकता। आपने हमें पानी रोकने की धमकी दी। अगर ऐसा करने की कोशिश की तो पाकिस्तान आपको ऐसा सबक सिखाएगा, जिसे जिंदगीभर नहीं भूलेंगे।

पाकिस्तानी पीएम ने आगे कहा कि पानी पाकिस्तान की लाइफलाइन है और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के तहत देश के अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

बिलावल भी भारत को जंग की धमकी दे चुके

शहबाज शरीफ से पहले पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भारत को युद्ध की धमकी दे चुके हैं। सोमवार को दिए एक बयान में बिलावल ने कहा था कि अगर भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित रखा तो पाकिस्तान के पास जंग के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

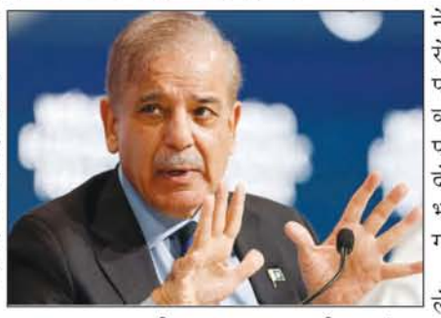

भुट्टो ने सिंध प्रांत की सरकार के एक कार्यक्रम में कहा, मोदी सरकार के कदमों ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया है। हमें एकजुट होकर इन आक्रामक नीतियों का जवाब देना होगा।

48 घंटों में 3 नेताओं ने भारत को धमकी दी

सिंधु जल समझौते के निलंबन को लेकर पिछले 48 घंटों में 3 पाकिस्तानी नेताओं ने भारत के खिलाफ धमकी भरे बयान दिए हैं। इनमें आर्मी चीफ आसिम मुनीर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो शामिल हैं।

भारत-पाकिस्तान के बीच का सिंधु जल समझौता क्या है?

सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है।

इसमें 47% जमीन पाकिस्तान, 39% जमीन भारत, 8% जमीन चीन और 6% जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं।

1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था।

1947 में भारत और पाक के इंजीनियरों के बीच 'स्टैंडस्टिल समझौता' हुआ। इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला।

1 अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दोनों नहरों का पानी रोक दिया। इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की 17 लाख एकड़ जमीन पर खेती बर्बाद हो गई। दोबारा हुए समझौते में भारत पानी देने को राजी हो गया।

इसके बाद 1951 से लेकर 1960 तक वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता में भारत पाकिस्तान में पानी के बंटवारे को लेकर बातचीत चली और आखिरकार 19 सितंबर 1960 को कराची में भारत के तत्कालीन पीएम जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच दस्तखत हुए थे। इसे इंडस वाटर ट्रीटी या सिंधु जल संधि कहा जाता है।

भारत ने इस समझौते को रद्द किया

भारत ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के दूसरे दिन 24 अप्रैल को पाकिस्तान के साथ 65 साल पुराना सिंधु जल समझौता रोक दिया था। इस आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे।

स्टेशनरी दुकान से शराब बरामद

25 लीटर अंग्रेजी शराब और 47 लीटर बीयर जब्त, दो दुकानदार गिरफ्तार

कोडरमा, अगस्त (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के जयनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने स्टेशनरी दुकान से अवैध शराब का भंडार पकड़ा है। एसपी अनुदीप सिंह को मिली गुप्त सूचना के बाद जयनगर थाना प्रभारी बबलू कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम ने कार्रवाई की। टीम ने ग्राम तिलोकरी स्थित महेंद्र मोदी के राशन दुकान और तेतरौन स्थित प्रकाश जनरल स्टोर पर छापेमारी की। दोनों दुकानों से कुल 94 पीस अंग्रेजी शराब (लगभग 25 लीटर) और 80 पीस बीयर (लगभग 47 लीटर) बरामद की गई। जब्त की गई शराब की कीमत करीब 30 हजार रुपए है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पहला आरोपी तिलोकरी निवासी 63 वर्षीय महेंद्र मोदी है। दूसरा आरोपी तेतरौन निवासी 48 वर्षीय प्रकाश यादव उर्फ राजेंद्र यादव है। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। जयनगर थाना प्रभारी बबलू कुमार के अनुसार, इन दुकानों में अवैध रूप से शराब का भंडारण कर व्यापार किया जा रहा था।

वेनेजुएलाई राष्ट्रपति की ट्रम्प को चुनौती, गिरफ्तार करके दिखाओ

कहा- मैं इंतजार कर रहा, देर मत करना अमेरिका ने 50 मिलियन डॉलर का इनाम रखा

कारकस, अगस्त (एजेंसियां)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को उन्हें गिरफ्तार करने की चुनौती दी है। मादुरो ने सोमवार को एक भाषण में कहा-मुझे गिरफ्तार करने आओ, मैं यही मिराफ्लोरेस (राष्ट्रपति भवन) में तुम्हारा इंतजार करूंगा। देर मत करना कायरों।

ट्रम्प प्रशासन का आरोप है कि मादुरो ड्रग तस्कर हैं और ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में फेंटानाइल मिला कोकीन भेज रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि मादुरो के पास 7 टन कोकीन है, जिसे वे अमेरिका भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

निकोलस मादुरो ने राजधानी कारकस में नेताओं और सैन्य प्रमुख की मौजूदगी में अमेरिका को उनके घरेलू मामलों में दखल न देने की चेतावनी दी। उन्होंने अमेरिकी नेताओं से कहा कि वे ऐसा करने की कोशिश भी न करें, क्योंकि तब उन्हें ऐसा जवाब मिलेगा जिससे अमेरिकी साम्राज्य का अंत भी हो सकता है।

सेना प्रमुख डोमिंगो हर्नांडेज लारेज ने मादुरो का समर्थन करते हुए कहा कि सेना उनके साथ है। उन्होंने कहा, "अमेरिका हॉलीवुड की किसी वेस्टर्न फिल्म की तरह हमारे राष्ट्रपति के लिए इनाम का ऐलान करता है, यह हमारे लिए अपमानजनक है।"

वहीं, वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल ने भी मादुरो पर दोगुना इनाम लगाने के फैसले पर नाराजगी जताई। उन्होंने इसे राजनीतिक दुष्प्रचार अभियान करार दिया।

मदुरो पर 2020 में नार्को टेररिज्म के आरोप लगे थे

मदुरो पर 2020 में मैनहैटन की संघीय अदालत में नार्को-टेररिज्म और कोकीन तस्करी की साजिश के आरोप तय किए गए थे। उस समय ट्रम्प प्रशासन ने उनकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। इसे बाद में बाइडेन प्रशासन ने बढ़ाकर 2.5 करोड़ डॉलर कर दिया। इतना इनाम अमेरिका ने 9/11 हमलों के बाद ओसामा बिन लादेन की गिरफ्तारी पर रखा था।

मदुरो 2013 से वेनेजुएला की सत्ता में बने हुए हैं। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और लैटिन अमेरिकी देश उन पर चुनावों में धोखाधड़ी का आरोप लगाते रहे हैं। 2024 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में इन देशों ने मदुरो पर धांधली का आरोप लगाया था।

कोलंबिया ने वेनेजुएला राष्ट्रपति का समर्थन किया

इस बीच कोलंबिया भी वेनेजुएला के समर्थन में आ गया है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने चेतावनी दी है कि वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला उनके देश पर हमला माना जाएगा। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि हालात चाहे जितने भी उथल-पुथल वाले हों, हम वेनेजुएला की संप्रभुता की रक्षा करेंगे।

एक और संदेश में पेट्रो ने कहा कि कोलंबिया और वेनेजुएला "एक ही लोग, एक ही झंडा और एक ही इतिहास" साझा करते हैं। पेट्रो ने अमेरिका तथा वेनेजुएला दोनों से अपील की है कि वे

यमन के हूतियों ने इजरायल पर बोला ड्रोन हमला

चार शहरों में टारगेट को निशाना बनाने का दावा

सना, अगस्त (एजेंसियां)। यमन के हूती समूह ने बताया है कि इजरायल के शहरों हाइफा, नेगेव, इलियट और बीर शेवा को निशाना बनाकर चार ड्रोन हमले किए गए। याह्या सरिया, हूती समूह के सैन्य प्रवक्ता, ने अल-मसीरा टीवी पर प्रसारित बयान में दावा किया कि छह ड्रोनों से किए गए हमलों ने अपने उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल किया। हमले इजरायल द्वारा नरसंहार, भुखमरी और विस्थापन के माध्यम से फ़िलिस्तीनी हितों को खत्म करने की योजना के जवाब में किए गए। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक गाजा पट्टी पर आक्रमण बंद नहीं हो जाता और नाकाबंदी नहीं हट जाती, तब तक इजरायल पर हमले जारी रहेंगे। अक्टूबर 2023 में गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से, हूती समूह ने फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता का हवाला देते हुए इजरायल की ओर दर्जनों मिसाइल और ड्रोन दागे हैं।

पूर्व प्रथम महिला किम भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार

चुनाव में हस्तक्षेप और रिश्वतखोरी का आरोप

सियोल, अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया की पूर्व प्रथम महिला और पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल की पत्नी, किम कियॉन ही को स्टॉक मैनिपुलेशन, चुनाव में हस्तक्षेप और रिश्वतखोरी के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, यह गिरफ्तारी विशेष अभियोजक मिन जूंग-की की टीम की जांच के तहत हुई, जिसमें किम पर कई गंभीर वित्तीय और राजनीतिक अपराधों के आरोप हैं।

सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने मंगलवार को गिरफ्तारी वारंट मंजूर करते हुए कहा कि किम सबूतों से छेड़छाड़ कर सकती हैं। वारंट के लिए अनुरोध विशेष अभियोजक की टीम ने किया था, जो कैपिटल मार्केट एक्ट, पॉलिटिकल फंड्स एक्ट और रिश्वतखोरी विरोधी कानून के उल्लंघन की जांच कर रही है। अभियोजन पक्ष ने दलील दी कि किम सबूत नष्ट करने का गंभीर खतरा पैदा करती हैं, जबकि उनकी कानूनी टीम ने स्वास्थ्य समस्याओं और सहयोगात्मक रवैये का हवाला दिया।

किम पर आरोप है कि उन्होंने 2009 से 2012 के बीच डॉयच मोटर्स के शेयर मूल्य में हेरफेर किया। इसके अलावा, 2022 के उपचुनाव और 2024 के आम चुनावों में उम्मीदवार चयन में हस्तक्षेप करने और यूनिफिकेशन चर्च से महंगे उपहार लेने के भी आरोप हैं, जो कथित रूप से कारोबारी लाभ के बदले दिए गए थे। जांच में यह भी शामिल है कि एक हाईवे का अंतिम बिंदु बदलकर उनके परिवार की जमीन को लाभ पहुंचाया गया और एक स्थानीय अपार्टमेंट प्रोजेक्ट में पक्षपात किया गया।

पिछले सप्ताह पूछताछ के दौरान किम ने खुद को "एक साधारण व्यक्ति" बताते हुए सार्वजनिक चिंता पैदा करने पर माफी मांगी, हालांकि उन्होंने सभी आरोपों से इनकार किया। कुल 16 आरोपों की जांच चल रही है। यह गिरफ्तारी जांच को और मजबूती देगी और संबंधित मामलों में नए सबूत जुटाने में मदद करेगी।

पृष्ठ एक के शेष....

गौमाता का श्राप....

और इसमें प्रदेश का हर नागरिक इसका हिस्सा हो ये हमारा उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि 1947 से 2047 तक इन 100 वर्षों में देश ने कितनी लंबी यात्रा की इसका मूल्यांकन करने का ये सही समय है।

सीएम योगी ने कहा कि सपा के टाइम में मूलभूत सुविधाओं पर सरकार की उदासीनता थी, किसान परेशान था, पलायन था, गरीब के अभाव में दम तोड़ते बच्चे थे, भाई-भतीजावाद कल्चर हावी हो गया था। वर्ष-2017 के बाद यूपी में कानूनन का राज स्थापित हुआ है। अब अपराध और अपराधी के प्रति जीरो टॉलरेंस है। 2014 के बाद पीएम मोदी के विजन से जो यात्रा शुरू हुई, 2025 में भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, ये होती है विजन की यात्रा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के कुछ कालखंड ऐसे आए जिनमें आर्थिक तालाबंदी हो गई थी। प्रदेश में देश की 16 प्रतिशत आबादी निवास करती है लेकिन जीडीपी रसातल में पहुंचा दी गई थी। मगर हमारी सरकार में कोरोना जैसी महामारी के दौरान भी विकास दर नेशनल एवरेज से बेहतर रही। यूपी में संभावना है और आगे बढ़ने की। पिछले 5 वर्षों ने यूपी अब बीमारू नहीं रह गया है बल्कि सरप्लस स्टेट के रूप में खुद को स्थापित कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग दूध पीकर उन्हें सड़कों पर छोड़ देते थे या कसाईयों के हवाले कर देते थे। इसलिए सपा को श्राप लगा है और सपा वर्ष-2027 में भी सत्ता में आने का सपना न देखे।

10 महीने बाद ....

जिसकी छानबीन करना पुलिस का कार्य था। उन्होंने इसके बाद उन्होंने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर दोषी वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराई जाने की मांग की थी। न्यायालय ने प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करने के पश्चात थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

पीठ ने जारी किए....

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव के समक्ष रखी जाए। इसे उचित एजेंडा मदों के साथ मंत्रिपरिषद के समक्ष उचित निर्णय लेने के लिए प्रस्तुत करेंगे।

मुख्य सचिव नोएडा में मुख्य सतर्कता अधिकारी भी तैनात करेंगे। ये या तो आईपीएस संवर्ग से हों या सीएजी से प्रतिनियुक्ति पर हों।

नागरिक सलाहकार बोर्ड का गठन 4 सप्ताह के भीतर हो जाए। इसके अलावा, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) और सर्वोच्च न्यायालय की हरित पीठ द्वारा रिपोर्ट की स्वीकृति के बिना नोएडा में कोई भी परियोजना शुरू न हो।

हुसैनीवाला के शहीद....

जिसके लिए संस्था के पांच सदस्य अध्यक्ष दिनेश भाटी एडवोकेट के नेतृत्व में 12 अगस्त की शाम को दादरी शहीद स्तंभ से पंजाब के हुसैनीवाला के लिए रवाना हुए थे। जिनके द्वारा आज गुरूवार को हुसैनीवाला स्थित शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव जी के समाधि स्थल से उनकी रज धूली लेकर और सतलुज नदी का जल लेकर प्रेरणा यात्रा को प्रारंभ किया गया है। इस अवसर पर बीएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट महेश वर्मा जी ने अपनी टीम की तरफ से संस्था के सदस्यों का स्वागत किया। जिसके बाद बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर निहाल सिंह एवं उनके साथियों के द्वारा शहीद ए आजम भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव जी की समाधी पर संस्था के सदस्यों के साथ नमन किया। जिसके उपरांत बीएसएफ के जवानों द्वारा शहीद भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव जी की रज धूली के कलश तैयार कर उन्हें नमन करते हुए संस्था के पांच सदस्यों को सुपुर्द किया। जिसके बाद बीएसएफ के जवानों ने संस्था को तिरंगा भेंट करते हुए भारत माता की जय का घोष किया। वहीं इस अवसर पर बीएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट महेश वर्मा ने संस्था की इस सोच व कार्यों की मुक्त स्वर से प्रशंसा की और कहा कि निश्चय ही संस्था का यह कार्य समाज को और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादाई साबित होगा।

सनातन धर्म मंदिर में ....

इस बार 15 अगस्त के साथ -साथ 16 अगस्त को जन्माष्टमी का पर्व मनाया जा रहा है, पूरे मंदिर प्रांगण को तिरंगे के रंगों एवं सुंदर लाईटों एवं फूलों की भी सजावट की गई है। यह जानकारी मंदिर समिति के महासचिव तथा सांसद प्रतिनिधि संजय बाली ने दी है।

भगवान श्री कृष्ण और राधा जी के साथ लड्डू गोपाल जी का भी पोशाक धारण कराया गया है, जो तिरंगे के रंग में होगा। भक्तों के लिए मंदिर में प्रवेश के लिए वैरोकेटिंग की व्यवस्था की गई है। लड्डू गोपाल जी का श्रृंगार और उनको झूले में विराजमान कराया जाएगा।

इस आयोजन में मुख्य यजमान डा. महेश शर्मा सांसद, गौतमबुद्धनगर, पंकज सिंह विधायक नोएडा, श्रीमती विमला बाथम अध्यक्ष महिला आयोग उ0प्र0, नवाब सिंह नागर, कैप्टन विकास गुप्ता अध्यक्ष कृषि अनुसंधान केंद्र, विपिन मल्हन, पीयूष द्विवेदी, राजेश गुप्ता, कुलदीप गुप्ता, टी.एन. गोविल, अतुल मित्तल, सुशील भारद्वाज, रामकुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष सदस्य आदि सभी सदस्य इस आयोजन में पूरी तरह से हिस्सा लेंगे और इसको सफल बनाएंगे।

13700 करोड़ की....

एक्वा लाइन का एक और विस्तार बॉटनिकल गार्डन से नोएडा सेक्टर-142 तक प्रस्तावित है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत और केंद्र सरकार के सार पर विचाराधीन है। ये कॉरिडोर 11.56 किलोमीटर लंबा होगा जिसमें कुल 8 स्टेशन होंगे। इस परियोजना की अनुमानित लागत 2,254, 35 करोड़ हैं। नोएडा सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा नॉलेज पार्क- तक एक्वा लाइन के विस्तार को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मंजूरी दी गई है। वर्तमान में केंद्र सरकार के स्तर पर विचाराधीन है। इस 17.435 किलोमीटर लंबे मार्ग पर, जिसकी अनुमानित लागत 2,991.60 करोड़ है। एक्सप्रेस-वे पर दों अंडरपासों का निर्माण आगामी दो महीने में शुरू कर दिया जाएगा। इनका निर्माण 88.11 करोड एवं 72.10 करोड़ के अनुबंध गठित किये गये हैं। इसके अलावा प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर 94 में 25 एकड़ भूमि पर जंगल ट्रेल की थीम पर पार्क विकसित किया गया है। साथ ही तालाबों सौन्दर्गीकरण जीर्णोद्धार किया जा रहा है। प्राधिकरण तीन स्थानों पर सेक्टर-18 के आन्तरिक क्षेत्र में जीआईपी से बॉटेनिकल गार्डन तक एवं स्काईमार्क के समीप स्पेशिएलाईज्ड फूड जोन व वेण्डिंग जोन के रूप में वेण्डिंग जोन विकसित किया जा रहा है। जिसकी लागत करीब 18 करोड़ है।

जूप्पी एप पर गेम खेलकर बने कर्जदार, चुराने लगे बाइक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है इनके पास से चोरी की बाइक, तमंचा, कारतूस बरामद हुए हैं। पकड़े गए बदमाशों ने वाहन चोरी की दोनों घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम सबोता अंडरपास पर बैरियर लगाकर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। खुर्जा अंडरपास की तरफ से बाइक पर आ रहे दो युवकों को पुलिस ने रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार मुड़कर भागने लगे। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने इनका पीछा कर अन्य पुलिसकर्मियों को बदमाशों के भागने की सूचना दी। मेहंदीपुर रोड पर पुलिस टीम ने बाइक सवारों को दबोच लिया। तलाशी में इनके पास से तमंचे में कारतूस बरामद हुए।

दोनों से जब बाइक के कागजात मांगे गए तो उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने बाइक चोरी की है। उन्होंने इस बाइक को नोएडा के सेक्टर-126 स्थित विश टाउन सोसायटी के बाहर से चोरी किया था। पूछताछ में पकड़े गए बाइक सवार युवकों ने अपने नाम अभिषेक सिंह पुत्र समय सिंह निवासी ग्राम नगला भूरिया जनपद मथुरा तथा कृष अग्रवाल पुत्र दीपक अग्रवाल निवासी गांव करनपुर गभाना जनपद अलीगढ़ बताया।

थाना प्रभारी ने बताया की सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों वाहन चोरों ने बताया कि उन्होंने कई अन्य मोटरसाइकिल भी चोरी की है जो मेहंदीपुर गांव जाने वाली सड़क के किनारे खाली जगह में झाड़ियां से छुपा कर रखी हुई है। दोनों वाहन चोरों की निशानदेही पर पुलिस ने 6 अन्य बाईकों को भी बरामद कर लिया। चोरों ने यह बाइक दिल्ली व नोएडा के अलग-अलग थाना क्षेत्र से चोरी की थी।

बदमाशों ने बताया कि वह जूप्पी एप पर गेम खेलते हैं। इस गेम में वह काफी पैसे हार गए थे। पैसों के लिए ही उन्होंने वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देना शुरू कर दिया था। दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और उन्हें न्यायालय में पेश किया है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/टीआरएस/गोरखपुर, विद्युत लोको शेड गोरखपुर/पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं :

निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नाम : निविदा सूचना संख्या : ELS-GKP-2025-CabAC "इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में कैब में एयर कंडीशनिंग की रेट्रो-फिटमेंट तथा कैब में थर्मल इन्सुलेशन का प्रावधान", **अनुमानित लागत : ₹** 2,15,19,180.00, **अग्रिम धन : ₹** 2,57,600.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य : ₹** 00.00, **निविदा की अवधि :** 24 माह।

• ऑफर अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय 16.09.2025, 15:00 बजे तक एवं यह ई-निविदा 16.09.2025 को 15:00 बजे के बाद खोली जाएगी। • इस ई-निविदा से संबन्धित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अर्हताएं तथा नियम एवं शर्तें, रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। • निविदाकार, ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस निविदा से संबन्धित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाईट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मं.वि.इंजी./टीआरएस,
मुजाधि/विद्युत-118 विद्युत लोको शेड गोरखपुर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भ : i) निविदा सूचना क्रमांक 29/2025-2026 दिनांक 07.07.2025
ii) निविदा संख्या 15255090 10.09.2025 को देय है।

1. उपरोक्त निविदा के संदर्भ में नियत तिथि 13.08.2025 से बढ़ाकर 10.09.2025 कर दी गई है।
2. उपरोक्त निविदा के संदर्भ में एएमसी को अपडेट कर दिया गया है।

अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित हैं। शुद्धिपत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया गया है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2478/25

उत्तर रेलवे

इ-निविदा (इ-प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

सं. 128-W/280/e Tender Notice/NIT-41, 42, 43, 44, 45 & 46-25-26-W-II दिनांक: 12.08.2025

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ-निविदा आमंत्रण।

1	NIT -41	**कार्य का नाम** :- वरिष्ठ मंडल अभियंता-II/दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में सहायक मंडल अभियंता गाजियाबाद के अधीन ईएलएस/जीजेडबी की धारण क्षमता को 200 से 225 लोकोमोटिव तक बढ़ाने के संबंध में शेष कार्य का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये):**- 17144280.01 **बयाना राशि (रुपये)** :- 235700.00
2	NIT -42	**कार्य का नाम** :- वरिष्ठ मंडल अभियंता-II/दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में सहायक मंडल अभियंता मेरठ के अधीन दो एलएचएस पर कवर्ड शेड के कार्य का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)** :- 17144280.01 **बयाना राशि (रुपये)** :- 235700.00
3	NIT -43	**कार्य का नाम** :- वरिष्ठ मंडल अभियंता-II/दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में सहायक मंडल अभियंता गाजियाबाद के अधीन ईटीसी परिसर में ईटीसी छात्रावास और अन्य संबद्ध भवनों की मरम्मत कार्य का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये):**- 17144280.01 **बयाना राशि (रुपये)** :- 235700.00
4	NIT -44	**कार्य का नाम:-** 1. वरिष्ठ मंडल अभियंता-II/दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में सहायक मंडल अभियंता शामली के अधिन KPKI, KQL, HIND, THBN, NNX, RPMN व MNZ पर परिसंचारी क्षेत्र और स्टेशन पहुंच मार्ग का सुधार और 2. SSE/E/W/SMQL के क्षेत्र में कॉलोनियों और स्टेशनों में क्षतिग्रस्त फर्श, प्लास्टर, टपकती छत, खराब दरवाजे और खिड़कियों की मरम्मत व 3. सहायक मंडल अभियंता गाजियाबाद के अधिकार क्षेत्र में भूर कॉलोनी में मौजूदा स्वास्थ्य इकाई का विस्तार/सुदृढ़ीकरण आदि का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)** :- 17144280.01 **बयाना राशि (रुपये)** :- 235700.00
5	NIT -45	**कार्य का नाम** :- वरिष्ठ मंडल अभियंता-II/दिल्ली के अंतर्गत सहायक मंडल अभियंता गाजियाबाद के SSE/P. Way/GZB-I के खंड में ट्रैक के रखरखाव के लिए वार्षिक पी. वे वार्षिक जोन 2025-26 का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये):**- 17144280.01 **बयाना राशि (रुपये)** :- 235700.00
6	NIT -46	**कार्य का नाम** :- वरिष्ठ मंडल अभियंता-II/दिल्ली के अंतर्गत सहायक मंडल अभियंता गाजियाबाद के SSE/P.Way/GZB-II के खंड में ट्रैक के रखरखाव के लिए वार्षिक पी वे. वार्षिक जोन 2025-26 का प्रावधान **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)** :- 17144280.01 **बयाना राशि (रुपये)** :- 235700.00
3	निविदा खोलने की तिथि और समय	09.09.2025 15:00 hrs.
4	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है।

• ठेकेदारो को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2466/25

टी-20 में टॉप-5 बैटर की लिस्ट में कोहली से आगे निकले वॉर्नर , टॉप-10 में 2 भारतीय

मुंबई, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के विराट कोहली को पीछे कर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में नंबर-5 पर पहुंच गए। उन्होंने इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग में फिफ्टी लगाई और कोहली को पीछे किया।

वॉर्नर के नंबर-5 पर पहुंचने के साथ टॉप-5 रन स्कोरर में अब कोई भी भारतीय बाकी नहीं रहा। विराट के अलावा केवल रोहित शर्मा ही टॉप-10 रन स्कोरर में शामिल भारतीय बैटर हैं। दोनों ही प्लेयर्स ने टी-20 फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है, ऐसे में सिर्फ IPL खेलकर दोनों का इस रिकॉर्ड लिस्ट में आगे निकलना बहुत मुश्किल लग रहा है।

टी-20 क्रिकेट के टॉप रन स्कोरर...

1. क्रिस गेल: 22 शतक के साथ नंबर-1

वेस्टइंडीज के विस्फोटक क्रिस गेल के नाम अब भी टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। इनमें इंटरनेशनल, IPL और दुनियाभर की ए-ग्रेड लीग के रन शामिल हैं। गेल टी-20 में 22 शतक लगाने वाले भी दुनिया के इकलौते बैटर हैं। उन्होंने अब टॉप लेवल टी-20 क्रिकेट खेलना बंद कर दिया है। इसलिए उनके 14,562 रन के आंकड़े को कोई नया बैटर तोड़ सकता है। हालांकि, उनके 22 सेंचुरी के आंकड़े को तोड़ना बहुत मुश्किल है।

2. कायरन पोलार्ड: शतक कम, फिफ्टी ज्यादा

वेस्टइंडीज के ही विस्फोटक फिनिशर कायरन पोलार्ड टॉप रन स्कोरर में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने इंटरनेशनल और IPL से तो संन्यास ले लिया है, लेकिन वे अब भी अमेरिका और साउथ अफ्रीका की लीग खेल रहे हैं। इसलिए वे भी गेल के रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। फिनिशर की पोजिशन निभाने के कारण पोलार्ड के नाम शतक तो 1 ही है, लेकिन फिफ्टी 63 हैं। इतना ही नहीं, टॉप-5 रन स्कोरर में उनका स्ट्राइक रेट भी बेस्ट है।

3. एलेक्स हेल्स: दुनियाभर की लीग खेलते हैं

इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन लीग क्रिकेट खेल रहे हैं। वे 13,814 रन बना चुके हैं और जल्द ही 15 हजार रन का आंकड़ा भी पार कर सकते हैं। वे फिलहाल इंग्लैंड के ही फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट द हंड्रेड का हिस्सा हैं। उनके नाम 7 सेंचुरी और 87 फिफ्टी हैं।

4. शोएब मलिक: बगैर सेंचुरी के टॉप स्कोरर

टॉप-10 रन स्कोरर में शामिल पाकिस्तान के इकलौते खिलाड़ी शोएब मलिक के नाम टी-20 में बगैर सेंचुरी लगाए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। वे भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) का हिस्सा अब भी हैं। वह पिछले सीजन भी क्वेटा ग्लैडिएटर्स से खेले थे। हालांकि, उनका अगला सीजन खेलना मुश्किल लग रहा है। ऐसे में वे भी जल्द ही टॉप-5 से बाहर हो सकते हैं। टॉप-5 रन स्कोरर में मलिक का स्ट्राइक रेट भी सबसे कम है।

5. डेविड वॉर्नर: 100 प्लस फिफ्टी लगा चुके

ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर ने ही टॉप-5 रन स्कोरर में एंट्री की। उन्होंने द हंड्रेड लीग में फिफ्टी लगाई और विराट कोहली को पीछे छोड़ा। अब वॉर्नर के विराट से 2 रन ज्यादा हो गए। उनके नाम इस फॉर्मेट में 8 सेंचुरी के साथ 113 फिफ्टी भी हैं। IPL में तो वॉर्नर अब नहीं खेलते, लेकिन दुनिया की बाकी लीग का हिस्सा जरूर बनते हैं। ऐसे में उनके पास भी गेल से आगे निकलने का मौका है।

6. विराट कोहली: भारत के टॉप रन स्कोरर

टी-20 में भारत के टॉप रन स्कोरर विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में इस फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। वे अब सिर्फ आईपीएल खेलते हैं, जो साल में एक बार ही होता है। कोहली के नाम फिलहाल 13543 रन हैं, वे अगले आईपीएल सीजन में 14 हजार टी-20 रन के आंकड़े को पूरा कर सकते हैं। हालांकि, उनका नंबर-1 पर पहुंचना बहुत मुश्किल है।

कोहली गेल को तो पीछे छोड़ सकते हैं, लेकिन बाकी खिलाड़ियों के मैचों की संख्या को देखते हुए कोहली का नंबर-1 पर पहुंचना मुश्किल है। विराट ने अब तक 3 टीमों से ही टी-20 क्रिकेट खेला है, भारत, दिल्ली और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु। 2 टीमों से तो वे अब टी-20 नहीं खेलते, आरसीबी को भी वे पिछले सीजन चैंपियन बना ही चुके हैं। ऐसे में संभव है कि वे जल्द ही इस फॉर्मेट को पूरी तरह अलविदा कह दें।

बटलर के पास टॉप पर आने का मौका

टॉप-10 रन स्कोरर में बाकी 4 प्लेयर्स इंग्लैंड के जोस बटलर, जेम्स विंस, भारत के रोहित शर्मा और साउथ अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस हैं। बटलर को छोड़कर बाकी तीनों प्लेयर्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और गिनती की लीग में ही हिस्सा लेते हैं।

बटलर अभी 34 साल के ही हैं और इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ दुनियाभर की लीग भी खेलते हैं। वे फिलहाल 13,123 रन बनाकर 7वें नंबर पर हैं, लेकिन जल्द ही टॉप-5 में एंट्री कर सकते हैं। इतना ही नहीं, अगर वे 2-3 साल इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते रहे तो नंबर-1 पर भी पहुंच सकते हैं।

क्रिस गेल अब भी नंबर-1 बल्लेबाज

टी-20 के टॉप-10 रन स्कोरर

कॉमनवेल्थ गेम्स-2030 की मेजबानी

भारत की बिड आईओए में मंजूर, 31 अगस्त तक फाइनल बिडिंग प्रपोजल देना होगा

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन ओलिंपिक संघ ने बुधवार को भारत की कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 होस्ट करने की बिड को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी स्पेशल जनरल मीटिंग में दी गई है। मेजबानी के लिए भारत ने मार्च महीने में एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट समिट किया था। अब भारत को 31 अगस्त से पहले फाइनल बिड के लिए प्रपोजल देना होगा।

कनाडा के रेस से बाहर हो जाने के बाद भारत के लिए 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी पाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। हाल ही में कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के डायरेक्टर डैरेन हॉल के नेतृत्व में एक टीम ने अहमदाबाद स्थित आयोजन स्थलों का दौरा किया था।

इतना ही नहीं, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के अधिकारियों ने गुजरात सरकार के अधिकारियों से मीटिंग भी की थी।

इस महीने के अंत में एक और डेलिगेशन के अहमदाबाद पहुंचने की संभावना है। इस दौरे के बाद कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की जनरल एसेंबली नवंबर के आखिर में होस्ट कंट्री तय करेगी। इससे पहले भारत ने 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की थी।

पिछले साल 2036 ओलिंपिक के लिए दावेदारी की थी

सीडब्ल्यूजी के अलावा, भारत 2036 के ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है। पिछले साल नवंबर में भारत ने ओलिंपिक गेम्स-2036 की मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश की थी।

2032 तक के ओलिंपिक मेजबान तय हो चुके हैं। 2032 की मेजबानी ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर को दी गई है। जबकि 2028 के ओलिंपिक लॉस एंजिलिस में होने हैं।

2 एशियन भी करा चुका है भारत

भारत अब तक 3 मल्टी स्पोर्ट्स गेम्स की मेजबानी कर चुका है। इनमें 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स, 1982 और 1951 के एशियन गेम्स शामिल हैं।

ईडी ने पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना से पूछताछ की

एजेंसी ने एक दिन पहले भेजा था नोटिस, सट्टेबाजी एप के प्रचार का मामला

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना सट्टेबाजी एप केस में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय के सामने पूछताछ के लिए पेश हुए। रैना दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पूछताछ के लिए पहुंचे।

रैना को एक ऑनलाइन सट्टेबाजी एप के प्रचार के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। वह इस एप के ब्रांड एंबेसडर हैं। सुरेश रैना ने 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

कई सेलिब्रेटी जांच के दायरे में

रैना अकेले सेलिब्रेटी नहीं हैं, जिनसे इस तरह के मामले में पूछताछ की जा रही है। उनके अलावा कई और क्रिकेटर और

बॉलीवुड हस्तियां जांच के दायरे में हैं। ईडी इस बैटिंग एप की मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच कर रही है।

रैना के इंटरनेशनल क्रिकेट में आठ हजार से ज्यादा रन

सुरेश रैना ने इंटरनेशनल करियर में तीनों फॉर्मेट टेस्ट, वनडे और टी-20 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। रैना ने 2005 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था। वह आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2007 की विजेता टीम और आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2011 की विजेता भारतीय टीम के अहम सदस्य थे।

अपने करियर में उन्होंने 226 वनडे, 78 टी-20 और 18 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने कुल मिलाकर 8,000 से ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाए। अगस्त 2020 में उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी के साथ ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की।

2002 में झारखंड के खिलाफ डेब्यू किया था

सुरेश रैना के क्रिकेट करियर की शुरुआत 2000 में हुई थी। जब उन्होंने क्रिकेटर बनने का निर्णय लिया और एक स्पोर्ट्स स्कूल जॉइन किया। उसके बाद 2002 में झारखंड के खिलाफ उन्होंने यूपी टीम के लिए डेब्यू किया था। वे उस टीम के कप्तान भी बने थे।

लियम लिविंगस्टन के हत्थे चढ़े राशिद खान

शर्मनाक रिकॉर्ड के साथ टीम को हरवाया

खेल डेस्क,, 14 अगस्त (एजेंसियां)। द हंड्रेड 2025 में बर्मिंघम फिनिक्स और ओवल इन्विंसिबल्स के बीच टूर्नामेंट का 10वां मुकाबला खेला गया. इस मैच को बर्मिंघम फिनिक्स ने 4 विकेट से अपने नाम किया. टीम की ओर से कप्तान लियम लिविंगस्टन ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए इन्विंसिबल्स के सभी गेंदबाजों की जमकर क्लास लगाई. अफगानिस्तान के अनुभवी खिलाड़ी राशिद खान भी इस लिस्ट में शामिल थे जिन्होंने काफी खराब गेंदबाजी की और एक शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम किया. राशिद खान के पास इस फॉर्मेट में खेलने का काफी अनुभव है लेकिन लिविंगस्टन के सामने उनकी एक न चली. राशिद की इस मैच के दौरान इतनी पिटाई हुई, जितनी पहले ना तो द हण्ड्रेड में कभी हुई और ना ही उनके टी20 करियर में.

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ओवल इन्विंसिबल्स ने 100 गेंद में 8 विकेट खोकर 180 रन बनाए. टीम की ओर से डोनोवन फरेरा ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों पर चार चौके और छह छक्कों की मदद से 63 रन की आक्रामक पारी खेली. डोनोवन फरेरा के अलावा जॉर्डन कॉक्स ने 44 रन का योगदान दिया. राशिद खान ने 16 रन की पारी खेली. बर्मिंघम की ओर से ट्रेंट बोल्ट, एडम मिल्ने और बैनी हॉवल ने 2-2 विकेट झटके. लक्ष्य का पीछा करने उतरी बर्मिंघम फिनिक्स की ओर से सलामी बल्लेबाज विल स्मीड ने 51 रन की पारी खेली. हालांकि, टीम एक समय 111 रन पर 4 विकेट खो चुकी थी. बर्मिंघम की ओर से कप्तान नियम लिविंगस्टन बल्लेबाजी करने उतरे और उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी करना शुरू कर दिया. इस दौरान उन्होंने राशिद खान के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी की. राशिद खान ने इस मैच में 20 गेंद पर 59 रन दिए.

राशिद खान को ऐसी मार ना तो पहले कभी द हण्ड्रेड में पड़ी और ना ही टी20 करियर में. इससे पहले उन्होंने आईपीएल 2018 में पंजाब किंग्स के खिलाफ एक मैच में 55 रन दिए थे.

राशिद खान जब अपनी गेंदबाजी का आखिरी स्पेल फेंकने आए तब लिविंगस्टन ने उन्हें पांच गेंद पर 26 रन जड़ दिए. इंग्लिश बल्लेबाज ने इस स्पेल की पहली गेंद पर चौका जड़ा जबकि उसके बाद उन्होंने लगातार तीन छक्के लगाए. इस स्पेल की आखिरी गेंद पर भी बर्मिंघम के कप्तान ने चौका लगाया और कुल 26 रन बना लिए.

लियम लिविंगस्टन पहले बल्लेबाज हैं जिन्होंने राशिद खान के खिलाफ टी20 में 200 से ज्यादा रन बनाए हैं. अभी तक उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज इस दमदार स्पिनर के खिलाफ टी20 में 150 रन भी नहीं बना पाया है. राशिद के इस सेट के बाद बर्मिंघम फिनिक्स पूरी तरह से मैच में हावी हो गया और उन्होंने दो गेंद रहते इस मैच को अपने नाम किया.

बर्मिंघम की ओर से विकेटकीपर-बल्लेबाज जो क्लार्क ने 27 रन का योगदान दिया. ओवल इन्विंसिबल्स की बात की जाए तो राशिद खान को एक विकेट भी नहीं मिला जबकि साकिब महमूद ने तीन विकेट अपने नाम किया. टॉम करन, सैम करन और नाथन सॉटर ने 1-1 विकेट लिया. ये बर्मिंघम फिनिक्स की अभी तक की इस सीजन की तीन मैच में पहली जीत है जबकि ओवल इन्विंसिबल्स ने तीन मैच में दो में जीत दर्ज की है जबकि ये उनकी इस सीजन की पहली हार है.

रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में गुकेश संयुक्त पांचवें स्थान पर

कारुआना ने बढ़त हासिल की

सेंट लुई (अमेरिका), 14 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए ग्रैंड शतरंज टूर के तहत खेले जा रहे सेंट लुई रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट का दूसरा दिन बहुत अच्छा नहीं रहा। उन्हें एक बाजी में हार का सामना करना पड़ा जबकि दो बाजियां उन्होंने ड्रॉ खेली जिससे वह 10 खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में छह अंकों के साथ संयुक्त पांचवें स्थान पर खिसक गए।

गुकेश ने चौथे दौर में अमेरिका के अंतिम स्थान पर काबिज सैम शंकलैंड के हाथों मिली करारी हार के बाद फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ अगले दो मुकाबले ड्रॉ खेले। इस बीच अमेरिकी खिलाड़ी

फैबियानो कारुआना ने आर्मेनियाई से अमेरिकी बने लेवोन अरोनियन को दिन की आखिरी बाजी में हराकर दो अंकों की बढ़त ले ली। गुकेश की तरह अरोनियन भी केवल दो बाजी ड्रॉ करा पाए और एक हार गए।

रैपिड में अब जबकि केवल तीन दौर का खेल बचा हुआ है तब कारुआना संभावित 12 में से 10 अंक लेकर इस वर्ग में जीत की स्थिति में दिख रहे हैं। अरोनियन अभी भी आठ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं और अमेरिका के ही वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। वाचियर-लाग्रेव सात अंकों के साथ चौथे, जबकि गुकेश एक और अमेरिकी खिलाड़ी लीनियर डोमिन्गुएज़ पेरेज़ के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं।

उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और वियतनाम के लिएम ले क्वांग पांच अंकों के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर हैं। अमेरिका के ग्रिगोरी ओपरिन उनसे दो अंक पीछे हैं। सैम शैंकलैंड ने गुकेश को हराकर दो अंक हासिल किए लेकिन वह अंतिम स्थान पर बने हुए हैं।

वेस्टइंडीज ने 34 साल बाद पाकिस्तान से वनडे सीरीज जीती

लॉडरहिल, 14 अगस्त (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को तीसरे और आखिरी वनडे मुकाबले में 202 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ 34 साल बाद वनडे सीरीज जीती है। इससे पहले 1991 में जीत मिली थी। सीरीज का पहला मैच पाकिस्तान ने जीता था, उसके बाद वेस्टइंडीज ने दूसरे मैच को जीतकर सीरीज बराबर की थी। विंडीज के लिए शाई होप ने नाबाद 120 रन बनाए।

त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में तीसरे वनडे में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 50 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 294 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 92 रन पर ऑलआउट हो गई। वेस्टइंडीज की ओर से कप्तान शाई होप ने 94 बॉल पर नाबाद 120 रन बनाए। इसमें 5 छक्के और 10 चौके शामिल रहें। उनके अलावा जस्टिन ग्रीव्स ने 43*, इविन लुईस ने 37 और रोस्टन चेज ने 36 रन की पारी खेली। शाई होप को तीसरे वनडे में प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। वहीं, जायडेन सील्स को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया, उन्होंने दूसरे वनडे में 3 और पहले वनडे में 1 विकेट लिया था। इस सीरीज में उन्होंने कुल 10 विकेट लिए।

295 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम 92 रन पर ही सिमट गई। टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान समेत 5 बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। बाबर आजम (9) एक बार फिर फ्लॉप हुए। पाक के लिए सलमान आगा ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। मोहम्मद नवाज ने नाबाद 23 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए जायडेन सील्स ने 6 विकेट लिए।

इंडिया-ए ने पहला विमेंस वनडे जीता

ऑस्ट्रेलिया-ए को 3 विकेट से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

ब्रिस्बेन, 14 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई इंडिया-ए विमेंस टीम ने पहला वनडे जीत लिया है। टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 3 विकेट से हराया।

ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को ब्रिस्बेन के इयान हीली ओवल स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। टीम ने 47.5 ओवर में 214 रन बनाए। जवाब में भारत ने 42 ओर में 7 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

लियारॉयड ने 92 रन बनाए

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एनिक लियारॉयड ने सबसे ज्यादा 92 रन बनाए। रेचल ट्रेनामैन ने 51 रन का योगदान दिया। टीम इंडिया की ओर से राधा यादव सबसे सफल

रही। उन्होंने 3 विकेट लिए। टिटास साधु और मिन्नू मणि को 2-2 विकेट मिले।

यस्तिका ने 59 रन की पारी खेली

भारत के लिए यस्तिका भाटिया ने 59, और शेफाली वर्मा ने 36, धारा गुज्जर ने 31 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए लुसी हैमिल्टन और एला हेवर्ड ने 2-2 विकेट लिए। किम गर्थ, टेस फ्लिंटॉफ और सियाना जिंजर को 1-1 विकेट मिला।

ऑस्ट्रेलिया टी-20 सीरीज जीती

इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया-ए ने 3-0 से टी-20 सीरीज अपने नाम की थी। टीम ने पहला मैच 13 रन, दूसरा मैच 114 रन और तीसरा 4 रन से जीता था। दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज के बाद 21 अगस्त से इकलौता अनऑफिशियल टेस्ट भी होगा।

न्यूजीलैंड छोड़कर अब स्कॉटलैंड टीम के लिए क्रिकेट खेलेंगे स्टार खिलाड़ी

एडिनबरा, 14 अगस्त (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड का एक और खिलाड़ी अब दूसरे देश के लिए खेलता हुआ दिखाई देगा। इससे पहले कोरी एंडरसन ने ऐस किया था। कोरी एंडरसन ने पहले न्यूजीलैंड के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेला था, इसके बाद उन्होंने यूएसए टीम के लिए खेलना का फैसला किया था। फिलहाल वे यूएसए के लिए ही क्रिकेट खेलते हैं। अब न्यूजीलैंड के एक और खिलाड़ी ने स्कॉटलैंड देश के लिए खेलने का फैसला किया है। इस खिलाड़ी को साल 2016 में न्यूजीलैंड के लिए इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिला था। टॉम क्रूस को साल 2016 में न्यूजीलैंड के लिए टी20 क्रिकेट में डेब्यू करने का मौका मिला था। टॉम ने बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला टी20 इंटरनेशनल मैच खेला था। इसके बाद अपने दूसरे ही मैच में टॉम ब्रूस ने पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 59 रनों की नाबाद पारी खेलकर न्यूजीलैंड को जीत दिलाई थी। इसके बाद उनका प्रदर्शन लगातार खराब होता चला गया था। अगली 15 पारियों में वे महज एक ही अर्धशतक बना पाए थे। साल 2020 में टीम इंडिया के साथ खेली गई 5 मैचों की टी20 सीरीज में टॉम ब्रूस 2 बार बिना खाता खोले आउट हुए थे। इसके बाद उन्होंने 17 टी20 इंटरनेशनल मैच के बाद ही करियर पर विराम लगा दिया था।

बलराम और श्रीकृष्ण का पंचामृत से करें अभिषेक

तुलसी के साथ माखन-मिश्री का लगाएं भोग

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि पर श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम जी की जयंती मनाई जाती है, जिसे हलछठ भी कहते हैं। इस बार ये पर्व 14 अगस्त, गुरुवार को मनाया जाएगा। हलछठ पर्व कृषक समुदाय के लिए विशेष महत्व रखता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसे बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

इसी तिथि पर भगवान विष्णु के प्रिय शेषनाग ने बलराम के रूप में अवतार लिया था। बलराम के शस्त्र हल और मूसल हैं। बलराम को उनके कृषि से जुड़े कार्यों और हल के कारण हलधर कहते हैं। इसलिए इस पर्व को हलषष्ठी या हलछठ कहा जाता है।

संतान के सौभाग्य की कामना से किया जाता है ये व्रत

हलछठ व्रत संतान के सौभाग्य की कामना से किया जाता है। इस दिन महिलाएं अपनी संतान की लंबी उम्र और स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं। मान्यता है कि बलराम की पूजा से बच्चों को रोग और संकटों से मुक्ति मिलती है। बलराम जी के बारे में कहा जाता है कि वे गदा युद्ध में पारंगत थे। उनके दो प्रमुख शिष्य थे- भीम और दुर्योधन।

महाभारत युद्ध के अंत में जब भीम ने दुर्योधन की जांघ पर गदा से प्रहार करके उसे युद्ध में पराजित किया, तब बलराम इस नियमविरुद्ध आचरण पर बहुत क्रोधित हो गए थे और वे भीम को मारना चाहते थे। उस समय श्रीकृष्ण के समझाने पर ही उनका गुस्सा शांत हुआ। बलराम को धैर्य, बल और नीति का प्रतीक माना जाता है। उनका जीवन एक आदर्श योद्धा और भाई के रूप में देखा जाता है।

पंचामृत से करें अभिषेक

पं. मनीष शर्मा बताते हैं कि हलछठ पर बलराम और श्रीकृष्ण का अभिषेक करने की परंपरा है। इस दिन गाय के दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल मिलाकर पंचामृत बनाकर इससे भगवान का अभिषेक किया जाता है। फिर फूल और नए वस्त्रों से श्रृंगार करते हैं। तुलसी, माखन-मिश्री से भगवान को भोग लगाया जाता है।

शनिवार को मनाई जाएगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

हलछठ के दो दिन बाद शनिवार, 16 अगस्त (भाद्रपद कृष्ण अष्टमी) को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का मनाई जाएगी। भाद्रपद कृष्ण अष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण का अवतार हुआ था। कई भक्त इस दिन निर्जल व्रत रखते हैं और रात्रि 12 बजे श्रीकृष्ण जन्म का उत्सव मनाते हैं।

जन्माष्टमी पर बाल गोपाल का पंचामृत से अभिषेक, नए वस्त्र अर्पण, फूलों से श्रृंगार और माखन-मिश्री का भोग अर्पित करने की परंपरा है।

जन्माष्टमी के 12 सबसे अचूक उपाय

1 भी कर लिया तो जीवन हो जाएगा धन्य

कृष्ण जन्माष्टमी की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 3 दिन बाद यानी 16 अगस्त को जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाएगा। इस विशेष दिन को व्रत-पूजन का भी विधान है। ज्योतिषविदों की मानें तो जन्माष्टमी भादो मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। इस दिन लड्डू गोपाल की पूजा की जाती है और जगह-जगह भगवान श्रीकृष्ण की झांकियां लगती हैं। धार्मिक मान्यता है कि, इस दिन या रात में कुछ विशेष उपाय करने से साल भर लक्ष्मी नारायण की कृपा होती है। साथ ही, भक्तों को बाल गोपाल का आशीर्वाद मिलता भी है। इन उपायों को करने से मनोकामना की पूर्ति व धन प्राप्ति के योग भी बन सकते हैं। आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में-

ये हैं कृष्ण जन्माष्टमी के अचूक उपाय

नौकरी में पदोन्नति के लिए: अगर आमदनी नहीं बढ़ रही है या नौकरी में प्रमोशन अटका है तो जन्माष्टमी पर 7 कन्याओं को घर बुलाकर खीर या सफेद मिठाई खिलाएं। इसके बाद लगातार 5 शुक्रवार तक ऐसा करना है। इससे जल्द ही धन-लाभ के योग बन सकते हैं।

इच्छा पूर्ति के लिए: कृष्ण जन्माष्टमी पर कुछ उपाय चमत्कार हो सकते हैं। इसलिए जन्माष्टमी से 27 दिन लगातार नारियल व बादाम किसी कृष्ण मंदिर में चढ़ाएं। ऐसा करने वाले जातकों की सभी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं।

धन-लाभ के लिए: अगर पैसे की समस्या चल रही हो तो जन्माष्टमी पर सुबह स्नान आदि करने के बाद राधाकृष्ण मंदिर जाकर दर्शन करें व पीले फूलों की माला अर्पित करें। ऐसा करने से आपकी परेशानी कम हो सकती है।

सुख-समृद्धि के लिए: सुख-समृद्धि पाने के लिए जन्माष्टमी पर पीले चंदन या केसर से गुलाब जल मिलाकर माथे पर टीका अथवा बिंदी लगाएं। ऐसा रोज करें। इस उपाय से मन को शांति प्राप्ति होगी और जीवन में सुख-समृद्धि आने के योग बनेंगे।

केले का पौधा लगाएं: लक्ष्मी कृपा पाने के लिए जन्माष्टमी पर कहीं केले के पौधे लगा दें। बाद में उनकी नियमित देखभाल करते रहे। जब पौधे फल देने लगे तो इसका दान करें, स्वयं न खाएं।

पान के पत्ते का उपाय: जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण को पान का पत्ता भेंट करें और उसके बाद इस पत्ते पर रोली (कुमकुम) से श्री यंत्र लिखकर तिजोरी में रख लें। इस उपाय से धन वृद्धि के योग बन सकते हैं।

खीर का भोग: जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण को सफेद मिठाई या खीर का भोग लगाएं।इसमें तुलसी के पत्ते अवश्य डालें। इससे भगवान श्रीकृष्ण जल्दी ही प्रसन्न हो जाते हैं। साथ ही जातक को आशीर्वाद देते हैं।

दक्षिणावर्ती शंख का उपाय: जन्माष्टमी पर दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर भगवान श्रीकृष्ण का अभिषेक करें। इस उपाय से मां लक्ष्मी भी प्रसन्न होती हैं। ये उपाय करने वाले की हर इच्छा पूरी हो सकती है।

मंत्र जाप करें: कृष्ण मंदिर जाकर तुलसी की माला से नीचे लिखे मंत्र की 11 माला जप करें। इस उपाय से आपकी हर समस्या का समाधान हो सकता है। मंत्र- क्लीं कृष्णाय वासुदेवाय हरिःपरमात्मने प्रणतःक्लेशनाशाय गोविंदय नमो नमः

पीने वस्त्र या फल दान करें: भगवान श्रीकृष्ण को पीतांबर धारी भी कहते हैं, जिसका अर्थ है पीले रंग के कपड़े पहनने वाला। जन्माष्टमी पर पीले रंग के कपड़े, पीले फल व पीला अनाज दान करने से भगवान श्रीकृष्ण व माता लक्ष्मी दोनों प्रसन्न होते हैं।

केसर मिश्रित दूध का अभिषेक: जन्माष्टमी की रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का केसर मिश्रित दूध से अभिषेक करें तो जीवन में सुख-समृद्धि आने के योग बनाते हैं।

तुलसी परिक्रमा: जन्माष्टमी को शाम के समय तुलसी को गाय के घी का दीपक लगाएं और ॐ वासुदेवाय नमः मंत्र बोलते हुए तुलसी की 11 परिक्रमा करें।

मुक्तिनाथ मंदिर, जहां माता लक्ष्मी संग विराजमान हैं नारायण जलकुंड में स्नान से मिटते हैं सारे पाप, स्वयंभू हैं शालिग्राम

16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी है, जिसे लेकर हर तरफ तैयारियां जोरों पर है। देश दुनिया में लीलाधर के ऐसे कई मंदिर हैं, जो अध्यात्म की एक अलग ही कहानी पेश करते हैं, जिनमें लोगों की गहरी आस्था, विश्वास और प्रेम का भी पुट है। नेपाल के मुस्तांग जिले में श्री हरि नारायण मुक्तिनाथ मंदिर भी ऐसा ही अनोखा मंदिर है, जहां 108 जल धाराओं में स्नान से पापों से मुक्ति मिलती है और हरि की कृपा प्राप्त होती है। दरअसल, वैष्णव समुदाय का यह मंदिर लोगों की आस्था का केंद्र होने के साथ ही मोक्ष का स्थान भी माना जाता है। यह मंदिर न केवल हिंदुओं बल्कि बौद्धों के लिए भी पवित्र है, जन्माष्टमी के मौके पर यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

मोक्ष प्रदान करने वाले मुक्तिनाथ

मुक्तिनाथ का अर्थ है 'मोक्ष के नाथ' या मुक्ति प्रदान करने वाले भगवान। हिमालय की गोद में 3,710 मीटर की ऊंचाई पर बसा यह नारायण को समर्पित मंदिर है, जिनके अवतार कृष्ण हैं। पुराणों के अनुसार, यह स्थान गंडकी नदी से जुड़ा है, जहां शालिग्राम शिलाएं पाई जाती हैं। शालिग्राम की इन शिलाओं को प्रकृति का जीवंत पत्थर माना गया है। स्वयंभू हैं शालिग्राम, प्राण प्रतिष्ठा की आवश्यकता

नहीं शालिग्राम को स्वयंभू माना जाता है, यानी इनकी प्राण प्रतिष्ठा की आवश्यकता नहीं होती। कोई भी व्यक्ति इन्हें घर या मंदिर में स्थापित करके पूजा कर सकता है। नेपाल के मुक्तिनाथ क्षेत्र में इन शालिग्राम पत्थरों की आमद बहुतायत में है। यहां इनके बड़े-बड़े शिलाखंड पानी के अंदर पाए जाते हैं। जिन्हें तराशकर मुर्तियों का निर्माण भी किया जाता है।

24 तांत्रिक स्थानों में से एक है यह मंदिर

जन्माष्टमी पर इसी मुक्तिनाथ धाम में भक्त कृष्ण की बाल लीलाओं का स्मरण करते हैं। मुक्तिनाथ मंदिर का इतिहास पुराणों से जुड़ा है, जो 300-1000 ईस्वी के बीच लिखे गए। इसे दुनिया के सबसे पुराने विष्णु मंदिरों में से एक माना जाता है। यह 24 तांत्रिक स्थानों में से भी एक माना जाता है।

19वीं शताब्दी की शुरुआत में हुआ मंदिर निर्माण

मुक्ति क्षेत्र या मुक्तिनाथ मंदिर का उल्लेख रामायण, बराह पुराण और स्कंद पुराण जैसे हिंदू धर्मग्रंथों में भी मिलता है। भगवान विष्णु को समर्पित मंदिर का निर्माण 19वीं शताब्दी की शुरुआत में हुआ था। नारायण की मूर्ति 16वीं शताब्दी की मानी जाती है, इसलिए यह भी माना जाता है कि पैगोडा संरचना से पहले उस स्थान पर एक और मंदिर था। नेपाल और भारत के कई हिंदू तीर्थयात्री भगवान विष्णु की पूजा करने के लिए इस स्थल पर आते हैं।

मुक्तिनाथ मंदिर से जुड़ी मान्यताएं

एक पौराणिक कथा के अनुसार, ब्रह्मा ने यहां तपस्या की और विष्णु ने उन्हें दर्शन दिए। दूसरी कथा, गुरु रिनपोछे (पद्मसंभव) से जुड़ी है, जो तिब्बती बुद्धिज्म के संस्थापक थे। वह तिब्बत जाते समय यहां पर रुके थे और ध्यान किया था, जिससे मंदिर को बौद्ध महत्व भी मिला।

आदि शंकराचार्य ने 8वीं शताब्दी में यहां का दौरा किया और इसे आध्यात्मिक शक्ति का केंद्र माना। यहां मंदिर में विराज रहे भगवान श्रीहरि विष्णु मोक्षदाता के रूप में विराजमान हैं। जन्माष्टमी के साथ ही अन्य धार्मिक मौकों पर भी भक्त यहां आकर दर्शन करते हैं।

जलकुंड में स्नान से मिटते हैं पाप

यहां मंदिर में प्रवेश से पहले गौमुख से निकलती 108 धाराएं प्रवाहित हो रही हैं और साथ ही इसके बगल में दो जल कुंड हैं। ये 108 सहस्त्रधारा और लक्ष्मी कुंड एवं सरस्वती कुंड को लेकर मान्यता है कि इसमें स्नान करने मात्र से भक्त प्रारब्ध के साथ वर्तमान जीवन के भी संपूर्ण पापों से मुक्ति प्राप्त करते हैं।

गौमुखी गंगा से निकलती हैं 108 धाराएं

मंदिर की वास्तुकला पैगोडा शैली की है। इस मंदिर की संरचना तीन मंजिला है और इसमें मुख्य मूर्ति भगवान विष्णु की है। साथ में माता लक्ष्मी और माता सरस्वती भी यहां विराजमान हैं। यहां की 108 धाराएं गौमुखी गंगा से निकलती हैं, जो बेहद शीतल हैं। भक्त इनमें स्नान कर पापों से मुक्ति के साथ मोक्ष की कामना श्रीहरिनारायण से करते हैं। बौद्ध इसे 'चुमिग ग्यात्सा' कहते हैं, मतलब 108 झरने।

जन्माष्टमी के दौरान मंदिर में विशेष पूजा होती है, जहां कृष्ण की आरती और भजन गाए जाते हैं। भक्तों का मानना है कि कृष्ण जन्माष्टमी के इस पर्व पर यहां स्नान करने से सुख-शांति मिलती है, और परिवार में सुख-समृद्धि का वास होता है।

मधुमक्खी फूलों से पराग लेकर शहद बनाती है, ठीक इसी तरह हमें भी श्रेष्ठ गुण अपनाने चाहिए

जहां सद्गुण और श्रेष्ठता दिखाई दे, हमें उन्हें ग्रहण करना चाहिए। जैसे मधुमक्खी फूलों से पराग लेकर शहद बना देती है, ठीक इसी तरह हमें भी श्रेष्ठ गुण ग्रहण करना चाहिए। अच्छे लोगों की अच्छी बातों में माधुर्यता, सौंदर्य, श्रेष्ठता और पावित्रता होती है, हमें उन गुणों को ग्रहण करना चाहिए। जब हमारे स्वभाव में विनम्रता और सहजता आएगी, हम बेहतर बन जाएंगे।

राजतिलक में कौन कहां बैठा

एक अक्षोहिणी में निम्नलिखित सैनिक होते हैं:

पैदल सैनिकः 21,870
घोड़ेः 21,870
रथः 21,870
हाथीः 21,870

इस प्रकार एक अक्षोहिणी में कुल लगभग 109,350 सैनिक होते हैं।

कैसे कटोरे में भरे वीर्य से हुआ द्रोणाचार्य का जन्म, क्या पूरी कहानी, साइंस क्या कहती है

राजतिलक में कौन कहां बैठा

जब युधिष्ठिर का राजतिलक हुआ तब सोने के सिंहासन पर बैठे। सिंहासन के दोनों ओर भीम और अर्जुन खड़े हुए जबकि कृष्ण व सात्यकि उनके सामने खड़े हुए। नकुल-सहदेव और कुंती उसके बगल में सोने से सज्जित हाथी दांत से बने आसन पर बैठे। गांधारी, युयुत्सु व संजय धृतराष्ट्र के समीप बैठे हुए थे।

उस समय खास होम और पूजा-पाठ हुए। नगाड़े बजने लगे। शंखनाद हुआ। युधिष्ठिर ने ब्राह्मणों को काफी दक्षिणा दी। इस तरह युधिष्ठिर ने राजा का कार्यभार ग्रहण किया। अब उनका अगला काम था राज्य को चलाने के लिए मंत्रालय गठित करके काम सौंपना।

भीम को क्या बनाया गया

इसमें उन्होंने भीम को युवराज घोषित किया यानि उनकी गैरमौजूदगी में भीम राज्य के प्रमुख रहेंगे साथ ही राज के काम में सभी तरह की मंत्रणा और कामों में राजा की मदद करेंगे। कहा जा सकता है कि भीम उनके गृह मंत्री भी थे।

राजा युधिष्ठिर ने विदुर को मंत्रणा व संधिविग्रहादि का मंत्रालय सौंपा। संजय को कर्तव्य और आय-व्यय निरूपण का भार सौंपा यानि वो उनके वित्तमंत्री बने।

नकुल को सेना का भार दिया गया, वह रक्षा मंत्री बने। अर्जुन को शत्रुराज्य के अवरोध व दुष्टदमन का भार दिया गया, कहा जा सकता है उनकी भूमिका विदेश मंत्री और कानून मंत्री की थी और युद्ध होने पर सेना की अगुवाई करने की भी।

सहदेव को क्या भूमिका मिली

पुरोहित धौम्य को देवता-ब्राह्मणादि की सेवा का भार दिया गया। युधिष्ठिर के आदेश पर सहदेव उनके हमेशा करीब रहकर उनकी रक्षा करने का काम दिया गया। विदुर, संजय व युयुत्सु को राजा धृतराष्ट्र से जुड़े सभी कामों में मदद करने के लिए कहा गया।,

किसे कौन सा महल दिया गया

इस मौके पर युधिष्ठिर ने अलग महलों को भी भाइयों को दिया। धृतराष्ट्र की अनुमति से उन्होंने भीम को दुर्योधन का भवन दिया तो अर्जुन को दुःशासन, नकुल को दुर्मर्षण और सहदेव को दुर्मुख का भवन दिया।

राजकाज में क्या सुधार किया

युधिष्ठिर ने हस्तिनापुर में शासन करते समय कई महत्वपूर्ण कानूनी और सामाजिक सुधार किए।

युधिष्ठिर ने अपने शासन में धर्म और न्याय को प्राथमिकता दी। अपने निर्णयों में हमेशा धर्म का पालन करते थे। उनका उद्देश्य राज्य में शांति और समृद्धि स्थापित करना था। युद्ध के बाद युधिष्ठिर ने छल-कपट का त्याग करके सभी लोगों के साथ प्रेम का व्यवहार करने का संकल्प लिया। उन्होंने युद्ध के नियमों का भी पालन किया। राज्य में शांति और समृद्धि स्थापित करने के लिए धर्म के मार्गदर्शन का अनुसरण किया। शासन में सभी वर्गों के कल्याण का ध्यान रखा। उन्होंने किसी भी वर्ग या जाति के प्रति भेदभाव नहीं किया। सभी नागरिकों को समान अधिकार दिया। युधिष्ठिर ने अपने शासन में शिक्षा के प्रसार पर जोर दिया। उन्होंने ब्राह्मणों और विद्वानों को प्रोत्साहित किया। उन्हें विशेष सुविधाएं दीं। **(समाप्त)**

लेट्स प्ले गेम में नीता का किरदार निभाना बड़ी चुनौती थी

अभिनेत्री युक्ति कपूर ने अपनी आगामी फिल्म लेट्स प्ले गेम में अपने किरदार को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि उनके किरदार नीता की भावनात्मक दोहरी प्रकृति (एक ही समय में दो अलग-अलग प्रवृत्तियों के लोग) ने उन्हें इस भूमिका की ओर आकर्षित किया। अभिनेत्री ने बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए बतौर कलाकार एक बड़ी चुनौती थी, साथ ही एक सुनहरा मौका भी था, क्योंकि इस रोल में उन्हें कई तरह की भावनाओं को एक साथ जीने का मौका मिला।

युक्ति ने नीता के किरदार को लेकर कहा, नीता एक बहुत ही शांत स्वभाव की महिला है, जो बाहर से बहुत शालीन और नियंत्रित दिखाई देती है, लेकिन उसके अंदर बहुत कुछ चल रहा होता है। वह खुद को दुनिया के सामने मजबूत और सहज दिखाती है। वह अपने दर्द को बखूबी छुपा लेती है, और यही उसकी ताकत है। मुझे इस किरदार की भावनात्मक दोहरी प्रकृति ने आकर्षित किया, वह एक साथ कमजोर और शक्तिशाली है। फिल्म में ताश के खेल से जुड़े दृश्यों की तैयारी के बारे में युक्ति ने बताया, सेट पर ताश खेलना मुझे मेरे परिवार के साथ दिवाली की रातों की याद दिलाता था। बचपन में हम सभी बिना किसी गंभीरता के ताश खेलते थे, लेकिन इस किरदार के लिए मुझे खेल को गहराई से समझना पड़ा। उन्होंने आगे कहा, शूटिंग के दौरान ब्रेक में हम सब साथ में ताश खेलते थे। यह हमारी कास्ट के लिए एक बंधन का जरिया बन गया। इसने हमारी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को भी बेहतर बनाया। मैंने ताश इतनी अच्छी तरह सीख लिया कि इस दिवाली अगर मैं अपने परिवार या दोस्तों के साथ खेलूंगी, तो शायद मैं जीत जाऊंगी। फिल्म लेट्स प्ले गेम में अक्षित सुखीजा, डॉली चावला, कंगना शर्मा, एमी एला और रिब्बू मेहरा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म पांच शीर्ष खिलाड़ियों की कहानी है, जिनके रहस्य खेल के तीव्र होने के साथ सामने आते हैं। यह फिल्म 12 अगस्त 2025 से हंगामा ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। हाल ही में युक्ति पति पत्नी और पड़ोसन नामक क्राइम थ्रिलर में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने प्रतिभा का किरदार निभाया था।

अलग-अलग इंडस्ट्री में काम करके मुझे एक नया नजरिया मिला

अपूर्वा अरोड़ा ने 13 साल की उम्र में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। अब तक वह हिंदी, पंजाबी, कन्नड़ और गुजराती फिल्मों में काम कर चुकी हैं बातचीत में उन्होंने अपने शुरुआती दिनों की चुनौतियों के बारे में बताया। साथ ही यह भी साझा किया कि आने वाले समय में वह किन-किन प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी।

आपने चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर करियर की शुरुआत की और अब लीड एक्ट्रेस के तौर पर काम कर रही हैं। यह सफर कैसा रहा?

सच कहूं तो मैंने कभी ये सोचा नहीं था कि चाइल्ड आर्टिस्ट के बाद मैं एक दिन लीड एक्ट्रेस बनूंगी। जब मैंने शुरुआत की थी, तब फिल्मों के बारे में मुझे ज्यादा समझ नहीं थी। बस उस वक्त मैं हर चीज को एंजॉय करती थी। जैसे सुबह जल्दी उठकर सेट पर जाना, मेकअप करवाना, स्क्रिप्ट मिलना और फिर शूट करना। उस समय ये भी दिमाग में चलता था कि क्या मुझे एक्टिंग को करियर के तौर पर आगे जारी रखना है या नहीं। लेकिन धीरे-धीरे जब समझ आई और अनुभव बढ़ा, तब एहसास हुआ कि यही मेरा पैशन है और मुझे एक्टिंग ही करनी है। अब जब पीछे मुड़कर देखती हूं, तो खुशी होती है कि मैंने सही फैसला लिया। ये सफर बहुत कुछ सिखाने वाला रहा है।

आपने कन्नड़, पंजाबी, हिंदी और गुजराती सिनेमा में काम किया है। आपने अपने करियर को किस तरह दिशा दी?

सच कहूं तो मैंने अपने करियर को कोई खास दिशा देने की कोशिश नहीं की। मैं बस काम करती गई और रास्ते में लोग मिलते गए, मौके मिलते गए, और चीजें होती चली गईं। शुरुआत में मेरी सोच ये थी कि किसी भी काम को बिना कोशिश किए मना नहीं करना है। मेरी डिक्शनरी में ना कहना बहुत कम था। हां, जब मैं थोड़ी बड़ी हुई, तब कुछ प्रोजेक्ट्स को जरूर मना किया। लेकिन वो भी सोच-समझकर। मेरे लिए ये हमेशा जरूरी रहा कि अगर कोई मौका मिल रहा है, तो मैं उसे हाथ से जाने न दूं, क्योंकि मेरे पास ज्यादा विकल्प नहीं थे। कोई मेरे पास आकर खुद से नहीं कहेगा कि इस प्रोजेक्ट में काम करो, हम तुम्हारे लिए पैसा लगाएंगे। जो सबसे अच्छी बात रही वो ये है कि मुझे अलग-अलग भाषाओं और इंडस्ट्रीज में काम करने का मौका मिला। हर भाषा, हर इंडस्ट्री एक नया अनुभव और नई सीख लेकर आई। अलग-अलग कल्चर को समझने और अपनाने का मौका मिला। यही मेरा असली ग्रोथ रहा है। सीखते हुए आगे बढ़ना।

किन-किन प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं?

एक पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म आने वाली है। इसके अलावा कई प्रोजेक्ट्स ऐसे हैं, जिनकी शूटिंग पूरी हो चुकी है लेकिन वे अभी रिलीज नहीं हुए हैं। जैसे कि एक शो है अनरियल, जो काफी अच्छा होने वाला है। इसी साल एक और फिल्म खामोश नजर आते हैं रिलीज होगी। इसके अलावा ओ मेरी नाम की एक फिल्म भी आएगी।

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में मी टू मूवमेंट के बाद क्या कुछ बदलाव देखने को मिले हैं?

सच कहूं तो मी टू मूवमेंट के बाद मैंने कन्नड़ इंडस्ट्री में काम नहीं किया है। ये मेरी कोई प्लानिंग नहीं थी, बल्कि मुझे कोई ऐसा प्रोजेक्ट नहीं मिला। हालांकि, जब मैं वहां काम कर रही थी, तब माहौल काफी सुरक्षित और प्रोफेशनल था। मेरा आखिरी प्रोजेक्ट भी एक अच्छे अनुभव के साथ खत्म हुआ। उस दौरान मैंने कई फीमेल आर्टिस्ट्स की कहानियां सुनीं, जहां उन्होंने अपने अनुभव शेयर किए कि कैसे उन्हें हैरेसमेंट का सामना करना पड़ा। मुझे उम्मीद है कि मी टू मूवमेंट के बाद इंडस्ट्री में जरूरी बदलाव हुए होंगे।

कोर्टरूम ड्रामा सीरीज द ट्रायल 2 काजोल में फिर से नजर आएंगी

काजोल की वेब सीरीज द ट्रायल को काफी पसंद किया गया था। इसमें उनके काम को भी खूब सराहा गया। 14 जुलाई 2023 को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई इस सीरीज के जरिए एक्ट्रेस ने ओटीटी की दुनिया में कदम रखा था। अब करीब 2 साल बाद द ट्रायल के सीक्वल की अनाउंसमेंट हो गई है, जिसके निर्देशन की कमान उमेश बिष्ट ने संभाली है। काजोल एक बार फिर नयोनिका सेनगुप्ता बनकर लौट रही हैं। पहले सीजन में नयोनिका एक ऐसी महिला के रूप में सामने आई थीं, जिसने अपने पति के लिए अपना वकालत करियर छोड़ दिया था लेकिन जब वही पति एक स्कैम में फंस गया और उसकी सच्चाई सामने आई, तब नोयोनिका को न सिर्फ अपने करियर बल्कि अपनी खुद्दारी के लिए भी लड़ना पड़ा। ये सिर्फ कानूनी लड़ाई नहीं थी, बल्कि आत्मसम्मान, रिश्तों और वफादारी की भी परीक्षा थी। बता दें कि द ट्रायल 2 की रिलीज डेट से भी परदा उठ गया है। ये सीरीज 19 सितंबर को रिलीज होगी। मेकर्स ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। पहले सीजन की तरह ही, इस बार भी कहानी कोर्टरूम और निजी जीवन के टकराव के इर्द-गिर्द घूमेगी। काजोल की ये वेब सीरीज 19 सितंबर को रिलीज होगी ।

सूरज बड़जात्या ने सलमान के साथ फिल्म पर दिया बड़ा अपडेट

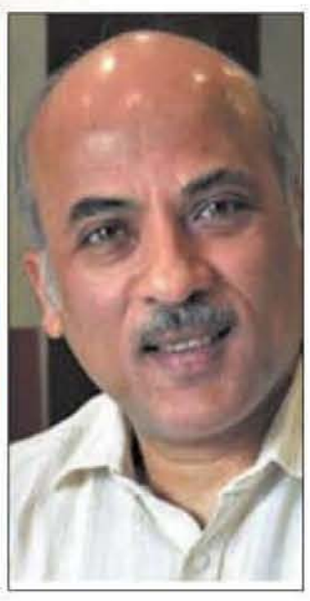

बॉलीवुड की सबसे चहेती एक्टर-डायरेक्टर की जोड़ियों में से एक सलमान खान और सूरज बड़जात्या एक बार फिर साथ आने को तैयार हैं। 90 के दशक से लेकर अब तक इस जोड़ी ने दर्शकों को 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ साथ हैं' और 'प्रेम रतन धन पायो' जैसी पारिवारिक फिल्मों के जरिए खूब एंटरटेन किया है। लंबे समय के इंतजार के बाद अब ये जोड़ी एक नए पारिवारिक ड्रामा और लवस्टोरी के साथ वापसी कर रही है।

सूरज बड़जात्या ने फिल्म पर की बात

सूरज बड़जात्या ने जूम के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में जानकारी दी कि वो इस फिल्म के जरिए एक बार फिर वही पारिवारिक माहौल, सादगी और छोटे-छोटे पलों में छिपी खुशियों को दिखाने की कोशिश करेंगे, जो उनकी फिल्मों की पहचान रही हैं। उनका मानना है कि दर्शक आज भी ऐसी कहानियों से जुड़ते हैं जो दिल से कही गई हों और जिनमें रिश्तों की गर्माहट हो। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि सलमान खान के लिए फिल्म लिखना इस बार एक चुनौती है क्योंकि वो चाहते हैं कि उनका किरदार उसी मस्तीभरे अंदाज में हो, लेकिन उम्र के अनुसार थोड़ा परिपक्व भी दिखे। इंटरव्यू में सूरज ने बताया है कि फिल्म की आधिकारिक घोषणा नवंबर में की जाएगी।

फिल्म की स्टारकास्ट

इस फिल्म को एक रोमांटिक फैमिली ड्रामा बताया जा रहा है, जो राजश्री प्रोडक्शन की बाकी फिल्मों की ही तरह होगी। हालांकि अभी फिल्म में कौन काम करेगा, उनके नामों का खुलासा नहीं किया गया है। सूरज बड़जात्या ने बस इतना कहा कि ये फिल्म दर्शकों को एक ऐसा अनुभव देगी, जिसमें रिश्ते, प्रेम और पारिवारिक मूल्यों की झलक मिलेगी।

प्री-प्रोडक्शन फेज में है नैचुरल स्टार नानी की फिल्म ब्लडी रोमियो

साउथ के नैचुरल स्टार नानी जल्द ही एक नई एक्शन ड्रामा फिल्म ब्लडी रोमियो में नजर आएंगे। इसका निर्देशन साहो फेम सुजीत कर रहे हैं। यह फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन फेज में है और अगले साल रिलीज होनी है। नानी फिलहाल श्रीकांत ओडेला की एक और एक्शन ड्रामा फिल्म द पैराडाइज की शूटिंग कर रहे हैं, वह भी अगले साल गर्मियों में रिलीज होगी। वहीं सुजीत अभी पवन कल्याण की फिल्म हब्न के पोस्ट-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। OG की रिलीज के बाद वे इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करेंगे। फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है और अब कास्ट और तकनीकी टीम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नानी खुद इस फिल्म की तैयारियों पर नजर बनाए हुए हैं। श्याम सिंघा रॉय के प्रोड्यूसर वेंकट बोयनापल्ली इस फिल्म को निहारिका एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म की शूटिंग फरवरी 2026 से शुरू होने की संभावना है। साथ ही नानी ने ये संकेत दिए हैं कि कार्थिक सुब्बराज के साथ भी उनकी एक फिल्म की चर्चा चल रही है।

तन्वीः द... का विषय ऑटिज्म पर है

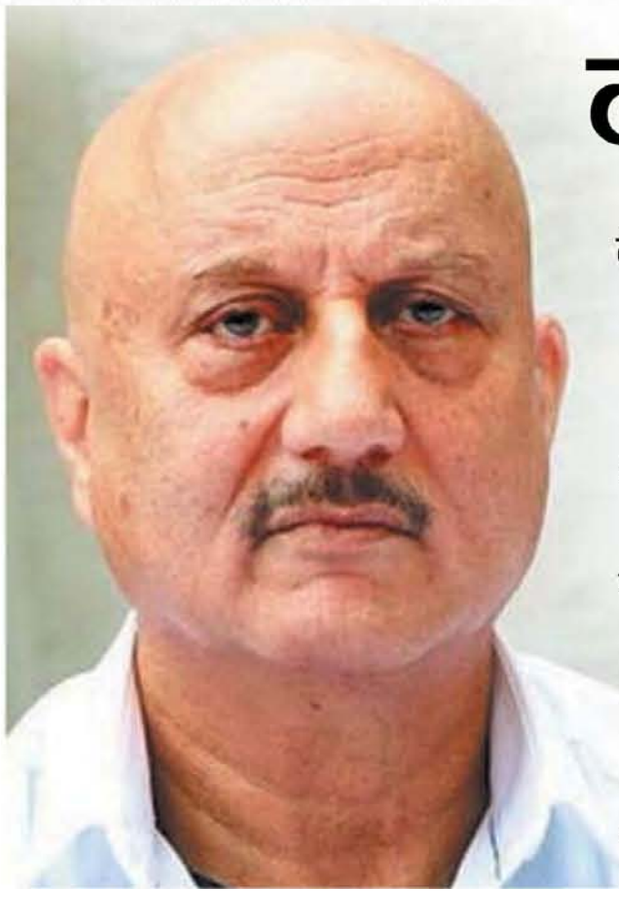

अनुपम खेर की फिल्म तन्वीः द ग्रेट ऑटिज़्म और सपनों को लेकर एक संवेदनशील कहानी है, जिसे उन्होंने निर्देशित भी किया है। उन्होंने फिल्म पर प्रतिक्रिया और करियर के अनुभव साझा किए...

क्या फिल्म को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रिया उम्मीद से बढ़कर रही?

बिल्कुल। दर्शकों से इतनी गहराई से जुड़ी प्रतिक्रियाएं पहले कभी नहीं मिलीं। एक 65 साल की महिला ने इसे अपनी जिंदगी की सबसे बेहतरीन फिल्म बताया। दिल्ली के डीएवी स्कूल जैसे संस्थान इसे छात्रों को दिखा रहे हैं। यह सिर्फ फिल्म नहीं, एक अनुभव बन गई है।

समाज में विशेष बच्चों को लेकर संवेदनशीलता की कमी क्यों है?

हमें किसी एक घटना से पूरे समाज का आकलन नहीं करना चाहिए। कुछ मामलों में मानसिक बीमारी या असहायता हो सकती है। लेकिन अब जागरूकता बढ़ रही है और तन्वी जैसी फिल्में इसी दिशा में बड़ा योगदान दे रही हैं।

सिनेमा क्या लोगों की सोच बदल सकता है?

सिनेमा सिर्फ पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि समाज को प्रभावित करने की ताकत भी है। एक सच्ची और प्रेरणादायक कहानी दर्शकों के जेहन में रह जाती है और सोच में बदलाव लाती है। यह एक ऐसी बेटी की कहानी है जो अपने पिता के सपने को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

इस फिल्म की ओटीटी रिलीज को लेकर क्या स्थिति है?

हमारे डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी और एक्सेल एंटरटेनमेंट इस पर काम कर रहे हैं। जैसे ही डील फाइनल होगी, फिल्म ओटीटी पर स्ट्रीम होगी।

बतौर निर्देशक अगली फिल्म किस विषय पर होगी?

मेरे पास कुछ अलग-अलग कहानियां हैं जिन पर काम कर रहा हूं। पहले अभिनेता के तौर पर अपने रुके हुए प्रोजेक्ट पूरे करूंगा, फिर अगली डायरेक्शन शुरू करूंगा। निर्देशन में मुझे बहुत आनंद आया। तन्वीः द ग्रेट ने भीतर तक झकझोरा है। फिल्म की स्कूलों में स्क्रीनिंग हो रही। इसे पैसे से नहीं तौल सकते।

अब तक की बायोपिक्स में सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार कौन-सा रहा?

डॉ. मनमोहन सिंह का किरदार सबसे कठिन था। लोग उन्हें रोज टीवी पर देखते हैं, तो एक सीमित दायरे में रहकर गहराई दिखाना आसान नहीं था। इस रोल पर मैंने करीब 8-9 महीने काम किया। बाकी जो किरदार मैंने निभाए हैं, वे आज के दौर में इतने प्रचलित नहीं हैं, जैसे जयप्रकाश नारायण जी का किरदार। अभी मैं एक और किरदार पर काम कर रहा हूं जिसके बारे में जल्दी ही सभी को पता चलेगा।

इसे तारे जमीन पर जैसी शैली में क्यों नहीं दिखाया?

यह कहानी किसी सोच-समझ के तहत नहीं, बल्कि दिल से निकली है। यह सिर्फ ऑटिज्म नहीं, बल्कि पिता-बेटी के रिश्ते, मां के संघर्ष, दादा के सपनों और भारतीय सेना की मदद से एक बच्ची की उड़ान की कहानी है। इसमें संगीत और भावना दोनों हैं।

रामकुमार को मिली कांग्रेस पार्टी के पिछड़ा वर्ग सलाहकार परिषद के सदस्य की जिम्मेदारी

नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिन्द द्वारा पिछड़ा वर्ग विभाग उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी को पिछड़ा वर्ग से संबंधित मुद्दों और सवालों पर संघर्ष करने के लिए कांग्रेस पार्टी के अंदर पिछड़े वर्ग के नेताओं की सलाहकार परिषद का गठन किया गया है। इसी क्रम में नोएडा महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राम कुमार तंवर को भी सलाहकार परिषद का सदस्य बनाया गया है। इस अवसर पर रामकुमार तंवर को बधाई देने के लिए कांग्रेसियों का तांता लगा।

इस अवसर पर रामकुमार तंवर ने कांग्रेस पार्टी के केंद्र नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा कि जो भरोसा और विश्वास पार्टी ने मुझे अहम जिम्मेदारी देकर दिखाया है उसका निर्वहन करने के लिए मैं अपने तन मन और धन से पार्टी की सेवा करूंगा।

कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व ने मुझे कई बार अहम जिम्मेदारी देकर मेरा मान बढ़ाया है। मैं हमेशा पार्टी का पार्टी नेताओं का एहसान मंद रहूंगा।

बधाई देने वालों में जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष व पीसी सदस्य रिजवान चौधरी नोएडा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरेंद्र शर्मा जिला कांग्रेस महासचिव आरके प्रथम, जिला कांग्रेस सचिव तनवीर अहमद,जिला कांग्रेस महासचिव रूबी चौहान, कांग्रेस नेता जितेंद्र चौधरी, अवनीश तवर, कांग्रेस नेत्री शिखा मिश्रा आदि मौजूद थे।

प्रेरणा राय 'प्रिंसिपल ऑफ द ईयर-2025' अवार्ड से सम्मानित

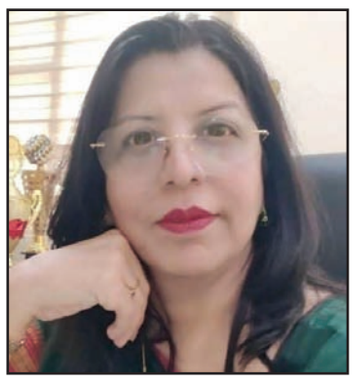

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के संत किशोरी शरण विद्या मंदिर की प्रिंसिपल प्रेरणा राय को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'प्रिंसिपल ऑफ द ईयर-2025' अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें नई दिल्ली के 'त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' में आयोजित नेशनल एजुकेशन कॉन्क्लेव-2025 में प्रदान किया गया।

इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का आयोजन प्लस नाइन वन मीडिया द्वारा किया गया। कॉन्क्लेव का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ0 किरण बेदी (सेवानिवृत्ति आईपीएस अधिकारी) ने किया। इस कार्यक्रम में देशभर के शिक्षा जगत के कई बड़े नाम शामिल हुए जिनमें डॉ. बिश्वजीत साहा (डायरेक्टर-ट्रेनिंग व स्किल एजुकेशन, CBSE) शामिल रहे। प्रेरणा राय को यह सम्मान विद्यालय में नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धतियों, छात्र-हितैषी माहौल और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति उनके समर्पण के लिए दिया गया। आयोजकों ने उनके कार्य को भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया। यह उपलब्धि न केवल संत किशोरी शरण विद्या मंदिर बल्कि पूरे नोएडा के शिक्षा जगत के लिए गर्व का विषय है। जो क्षेत्र को राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाती है। विद्यालय के महासचिव एल सी शर्मा ने प्रिंसीपल को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

'वोट चोरी' खुलासे पर कांग्रेसियों ने की कार्यशाला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला कांग्रेस कमेटी कैंप कार्यालय ग्रेटर नोएडा वेस्ट बिसरख पर कांग्रेस पार्टी व संपूर्ण विपक्ष के देशव्यापी अभियान वोट चोरी पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं व स्थानीय मतदाताओं की जानकारी के लिए एक प्रसारण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिला कांग्रेस कमेटी गौतम बुध नगर के अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने बताया कि प्रसारण कार्यशाला का मकसद विगत सप्ताह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा एक पत्रकार वार्ता के माध्यम से सजीव प्रसारण करके एक प्रेजेंटेशन के द्वारा सबूत के साथ यह बताया गया था की किस प्रकार भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर भारत का निर्वाचन आयोग लगातार चुनाव में गड़बड़ी करने या होने देने के लिए संदेह के दायरे में है।

यह प्रसारण कार्यशाला इसी संदर्भ में हमारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं व स्थानीय जिज्ञासु मतदाताओं को न सिर्फ यह दिखाने का और समझने का प्रयास भर है कि राहुल गांधी ने किन-किन बिंदुओं को लेकर यह बताया की कैसे समूचे देश में वोट चोरी हो रही है।

जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि प्रदेश में कई लोकसभा सीटें ऐसी हैं जहां पर चुनाव नतीजे संदेह के दायरे में हैं। जिला गौतम बुद्ध नगर के कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता जिला निर्वाचन अधिकारी से शीघ्र मिलकर मशीन रीडेबल मतदाता सूची की मांग करेंगे ताकि आधुनिक डिजिटल माध्यमों से जिला गौतमबुद्ध नगर में यह पता लगाया जा सके की संपूर्ण देश में हो रही वोट चोरी के मामले में गौतम बुद्ध नगर में क्या स्थिति है।

कार्यशाला में मुकेश शर्मा, महाराज सिंह नागर, धर्म सिंह, तनवीर अहमद, गौतम सिंह, निशा शर्मा, देवेश चौधरी, कपिल भाटी, आर.के. प्रथम, सुबोध भट्ट, रमेश बाल्मीकि, नरेश शर्मा, विपिन त्यागी, धीरे सिंह, हरेन्दर शर्मा, सुहाना, साहिबा अंसारी, मुस्कान, रूपेश भाटी, ओमकार सिंह राणा, योगी प्रधान, यश भाटी, सचिन भाटी, रवि कुमार, दीपेश सिंह, दुर्गेश, सुमित, इंद्रेश कुमार, रामकेवल, दिनेश यादव, अंकित लोहिया आदि लोग मौजूद रहे।

नोएडा में कांग्रेसियों ने वोट चोरी पर देखी प्रसारण कार्यशाला

नोएडा (चेतना मंच)। महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा सैक्टर-52 स्थित कैंप कार्यालय पर कांग्रेस पार्टी व संपूर्ण विपक्ष के देशव्यापी अभियान वोट चोरी पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं व स्थानीय मतदाताओं की जानकारी के लिए एक प्रसारण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा के अध्यक्ष मुकेश यादव ने बताया कि प्रसारण कार्यशाला का मकसद विगत सप्ताह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा एक पत्रकार वार्ता के माध्यम से सजीव प्रसारण करके एक प्रेजेंटेशन के द्वारा सबूत के साथ यह बताया गया था की किस प्रकार भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर भारत का निर्वाचन आयोग लगातार चुनाव में गड़बड़ी करने या होने देने के लिए संदेह के दायरे में है।

कार्यशाला में उपस्थित पदाधिकारियों में महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर, फिरे सिंह नागर, लियाकत चौधरी, राजकुमार भारती, ललित अवाना, यतेन्द्र शर्मा, रामकुमार शर्मा, दयाशंकर पांडे, मधुराज, डॉ सीमा,ईश्वर सिंह, राहुल पांडे, कैप्टन पीएस रावत,सतीश पांचाल सहित दर्जनों कांग्रेसजन मौजूद रहे।

वीर जवानों का बलिदान सदैव याद रखेगा देश : विक्रांत यादव

सहसवान ब्लॉक में भाजपा नेता के नेतृत्व में निकाली तिरंगा यात्रा

बदायूँ (चेतना मंच)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में जगह-जगह तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के सहसवान ब्लाक में भी ब्लॉक प्रमुख के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस तिरंगा यात्रा में शामिल युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सहसवान ब्लाक प्रमुख विक्रांत यादव के नेतृत्व में ब्लॉक क्षेत्र में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में शामिल युवाओं ने गांव-गांव घूम कर व देशभक्ति के नारे लगाकर लोगों में जोश भर दिया।

इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख विक्रांत यादव ने कहा देश को स्वतंत्रता ऐसे ही नहीं मिली है बल्कि इसे पाने के लिए बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। देश के असंख्य वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें स्वतंत्रता दिलाई है। देश उन अमर शहीद वीर जवानों के बलिदान को सदैव याद रखेगा।

श्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की विश्व में एक अलग छवि बनी है। भाजपा के शासनकाल में देश पूरी तरह बदल रहा है। राष्ट्र हित से समझौता करने के बजाय और तमाम विरोधों के बावजूद कड़े से कड़े निर्णय लिए जा रहे हैं। वहीं उत्तर प्रदेश भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास के पथ पर अग्रसर है।

इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष वीरपाल यादव, तूफान सिंह, सुभाष प्रमुख, अर्पित शर्मा, हर्ष ओमनी, अंकित सक्सेना, सत्येंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में युवा तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुए।

दनकौर तक दौड़ रही ईको वैन सेवाओं से नाराजगी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा बस एसोसिएशन ने बॉटेनिकल मेट्रो स्टेशन व सेक्टर-37 से परिचौक और दनकौर गलगोटिया तक अवैध रूप से संचालित हो रही ईको वैन सेवाओं के खिलाफ कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। इस संबंध में एसोसिएशन ने एआरटीओ डॉ. सियाराम वर्मा को एक ज्ञापन सौंपा।

एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अनिल दिक्षित ने अपने ज्ञापन में कहा है कि इन ईको वैन के पास सवारी ढोने का कोई परमिट नहीं है और कई वाहनों के पास तो जरूरी कागजात भी नहीं हैं। इनमें प्राइवेट, दिल्ली और टेम्परेरी नंबर्स वाली गाड़ियां शामिल हैं।

एसोसिएशन के अनुसार, इस तरह के अवैध संचालन से सरकार को लाखों रुपये का राजस्व नुकसान हो रहा है। इसके साथ ही, कई बार ईको वैन से हादसे हो चुके हैं, जिनमें स्कूली बच्चों की जान भी गई है। इससे आमजन, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा बना हुआ है।

नोएडा बस एसोसिएशन ने मांग की है कि इन अवैध ईको वैन पर तत्काल रोक लगाई जाए, ताकि सड़क हादसों और सरकारी राजस्व हानि को रोका जा सके। पत्र के साथ एसोसिएशन ने ऐसे वाहनों के नम्बर भी एआरटीओ को दिये हैं।

किसानों ने निकाली ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) द्वारा किसान ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकाली गई। नोएडा से शुरू हुई यह तिरंगा यात्रा सूरजपुर स्थित जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची और राष्ट्रीय व क्षेत्रीय समस्याओं से संबोधित ज्ञापन सौंपा।

भाकियू के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता सेक्टर-81 स्थित शिव मंदिर पर एकत्रित हुए। यहां से ट्रैक्टरों के काफिले के साथ पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने किसान ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकाली। विभिन्न रास्तों से होते हुए किसान ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा सूरजपुर स्थित जिला अधिकारी कार्यालय पहुंची।

यहां भाकियू जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी मंगेश लाल पांडे को सौंपा। इसके अलावा एक अन्य ज्ञापन में क्षेत्रीय समस्याओं के निराकरण की मांग की गई।

तिरंगा यात्रा में मनोज मावी, राष्ट्रीय प्रभारी सुभाष चौधरी, एनसीआर अध्यक्ष परविंदर अवाना सहित अन्य लोग शामिल थे।

रैगिंग अब बन चुकी है कुप्रथा : यमुना प्रसाद

एमिटी के छात्रों को रैगिंग विरोधी कानूनों के प्रति किया जागरूक

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय के नोएडा परिसर में रैगिंग निषेध एवं उन्मूलन अधिनियम-2019 के कार्यान्वयन के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय रैगिंग विरोधी दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में रैगिंग के दुष्प्रभावों, रैगिंग को रोकने के उपायों और उससे संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरूकता फैलाना था।

छात्रों को संबोधित करते हुए गौतमबुद्धनगर के पुलिस उपायुक्त यमुना प्रसाद ने कहा कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में रैगिंग को रोकने के लिए छात्रों को रैगिंग के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना बेहद जरूरी है। पहले रैगिंग नए छात्रों के साथ एक दोस्ताना और गर्मजोशी भरा परिचय हुआ करता था, लेकिन धीरे-धीरे इसने कुप्रथा का रूप ले लिया, जिसमें छात्रों को उनके वरिष्ठों द्वारा परेशान किया जाने लगा। छात्रों को रैगिंग विरोधी कानूनों की जानकारी होनी चाहिए ताकि वे ऐसी घटनाओं से स्वंय को बचा सकें और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई कर सकें।

गौतमबुद्धनगर के एसीपी, प्रवीण कुमार ने कहा कि परिचय और रैगिंग के बीच बहुत ही बारीक रेखा होती है और छात्रों को अपने कॉलेज परिसर के अंदर या बाहर रैगिंग की कोई भी घटना होने पर संबंधित अधिकारियों को सूचित करना चाहिए। रैगिंग विरोधी कानून बहुत सख्त हैं और ऐसे मामलों में रैगिंग विरोधी अधिनियम-2011 के तहत कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाती है।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने कहा कि छात्रों को रैगिंग का शिकार होने से बचाने के लिए 2009 में एमिटी एंटी-रैगिंग सेल की स्थापना की गई थी। छात्रों में आत्म-सम्मान होना चाहिए और उन्हें कभी भी दूसरों को अपना अनादर करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एमिटी विश्वविद्यालय परिसर में ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई है।

इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय की एंटी रैगिंग कमेटी के अध्यक्ष डा. डी.पी. सिंह ने परिसर में रैगिंग की घटनाओं को रोकने और रिपोर्ट करने के लिए छात्रों के लिए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश साझा किए। कार्यक्रम में एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के एडिशनल प्रो. वाइस चांसलर डा. संजीव बंसल, एमिटी विश्वविद्यालय के डीन (छात्र कल्याण) डॉ. एच.पी. सिंह और छात्र भी उपस्थित थे।